हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 13 जुलाई, 2025

तापमान

अधिकतम 35 .6 डिग्री
न्यूनतम 23 .0 डिग्री

12 बंदा सिंह बहादुर की वीरता से प्रेरणा लेने का आह्वान

12 नेशनल लोक अदालत में 30 हजार केस निपटाए

खबर संक्षेप

राजेश खन्ना को खेल मंत्री ने किया सम्मानित

करनाल। करनाल के गौरव और एयरफोर्स से सेवानिवृत्त एथलीट राजेश खन्ना को उनके अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्रदेश के खेल मंत्री गौरव गौतम ने सम्मानित किया। राजेश खन्ना ने हाल ही में ताइवान में आयोजित वर्ल्ड मास्टर्स गेम्स 2025 और केरल में संपन्न नेशनल मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पदक जीतकर राज्य और देश का नाम रोशन किया है।

शादी में हर्ष फायरिंग करने वाला गिरफ्तार

पानीपत। थाना समालखा की पुलिस ने जौरासी खालसा गांव में शादी समारोह में हर्ष फायरिंग के आरोपी हिसार के मिर्चपुर गांव निवासी सतीश को गिरफ्तार किया है। थाना समालखा प्रभारी दीपक ने बताया कि आरोपी सतीश से लाइसेंसी डोगा बंदूक बरामद की है। यह बंदूक फतेहगढ़ छाना गांव निवासी तकदीर की है। वहीं, इस मामले में श्यामलो गांव निवासी शिवम व सोनीपत के भैंसवान गांव निवासी मोहित की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है। इस मामले में थाना समालखा में जौरासी खालसा गांव निवासी अजय वर्मा की शिकायत पर आरोपियों पर बीएनएस की धारा 125ए, 125बी, 287 व ऑर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज है।

दलजीत ने अमेरिका में जीता सिल्वर मेडल

इसराना। पानीपत के गांव नौल्था के मूल निवासी व हरियाणा पुलिस में तैनात एएसआई दलजीत जागलान ने अमेरिका में आयोजित 21 वीं, वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स की व्रिस्ट व्रेस्टलिंग प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीत कर दुनिया भर में भारत, हरियाणा पुलिस, पानीपत व अपने गांव नौल्था का नाम रोशन किया है। वर्तमान में दलजीत जागलान, हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुवन में तैनात है। वहीं दलजीत के पिता चौधरी बलबीर सिंह जागलान भारतीय सेना से सेवानिवृत्त है।

साझा साहित्य मंच की काव्य गोष्ठी आज

करनाल। साझा साहित्य मंच की मासिक काव्य गोष्ठी आज प्रातः 11 बजे सेक्टर-12 स्थित हुड्डा कार्यालय के यूनियन कर्मचारी कक्ष में आयोजित होगी। मंच के अध्यक्ष सतविंदर राणा और प्रवक्ता कृष्ण कुमार 'निर्माण' ने जानकारी दी कि यह गोष्ठी हर माह के दूसरे रविवार को होती है। इसमें करनाल के साथ-साथ सोनीपत, पानीपत, कैथल, कुरुक्षेत्र सहित आसपास के रचनाकार भाग लेंगे और अपनी कविताएँ प्रस्तुत करेंगे।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने 30 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति-पत्र

रोजगार मेला सरकार के रोजगार सृजन की दिशा में प्रभावी कदम

जगाधरी वर्कशॉप ने 16वें रोजगार मेले का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

- हरियाणा प्रदेश विकास के मामले में देश में सबसे आगे

भारत सरकार की रोजगार सृजन योजना के अन्तर्गत शनिवार को उत्तर रेलवे के मुख्य कारखाना जगाधरी वर्कशॉप द्वारा यमुनानगर में 16वें रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

रोजगार मेले में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने मुख्यातिथि के रुप में भाग लिया। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रुप में सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा मौजूद रहे।

यमुनानगर। रोजगार मेले में युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

मुख्यातिथि एवं कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने रोजगार मेले में रेलवे, उच्च शिक्षा कुरुक्षेत्र, डाक विभाग एवं गृह मंत्रालय में चयनित हुए 30 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपकर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। जिन युवाओं को ये नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए हैं। उन्हें न केवल रोजगार मिला है। बल्कि उन्हें देश के नव निर्माण में अपनी सेवाएं प्रदान करने का अवसर भी मिला है। इसलिए हमें पूरी निष्ठा व लगन के साथ जनता की सेवा करनी चाहिए। हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र का अर्थ है ज्यादा से ज्यादा जनता से संपर्क एवं सेवा भाव से कार्य करते हुए देश के विकास में योगदान देना। देश को संकल्प वाद एवं दृढ़ इच्छा रखने वाला व्यक्ति देश को प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। जिनके कुशल नेतृत्व में देश का नाम विश्व में चमका है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि आज देश उन्नति की ओर अग्रसर है। इसी प्रकार हमारा प्रदेश भी विकास के मामले में देश में सबसे आगे हैं। आज प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व व दूरदर्शी सोच के कारण विश्व के सभी देशों में हमारे राष्ट्राध्यक्षों का आदर सम्मान मिलता है। तेज गति से हो रहे विकास के कारण विश्व के दूसरे देश भी हमारे देश के विकास से प्रभावित हो रहे हैं।सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि भारत युवाओं का देश है और युवा शक्ति के कारण आज विश्व में काफी विख्यात है। इस अवसर पर उतर रेलवे जगाधरी के मुख्य कारखाना प्रबंधक जयप्रकाश, भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका आदि मौजूद रहे।

योग्यता पर नौकरी

कृषि मंत्री ने कहा कि आज देश के जिन युवाओं को पर्ची बिना खर्ची देश की जनता की सेवा करने का मौका मिला है। हरियाणा में भी युवाओं को उनकी योग्यता के आधार पर रोजगार उपलब्ध करवाया जा रहा है। आज हरियाणा बिना पर्ची बिना खर्ची के नौकरियां मिलने के कारण के युवाओं में प्रतियोगी परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने की होड़ लगी है। मौके पर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल ने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने शासन प्रशासन में फैले भ्रष्टाचार को समाप्त कर देश व प्रदेश को उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ाया है। प्रदेश में भी युवाओं को बिना पर्ची बिना खर्ची के योग्यता के आधार पर नौकरियां प्रदान की जा रही है।

डंकी रूट से अमेरिका गया युवक लापता

एजेंट पर 50 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

- 10 महीने पहले अमेरिका के लिए रवाना हुआ था युवक
- काफी दिन से परिजनों के साथ युवक का संपर्क नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

विदेश भेजने के नाम पर 50 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। इसके साथ ही मानव तस्करी का भी आरोप पुलिस को दी शिकायत में लगाया गया है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

गांव साहलेपुर के रघुबीर सिंह ने जनसुई के सुरेंद्र सिंह उर्फ डिंपल के खिलाफ मुलाना थाना में शिकायत में सुरेंद्र सिंह पर विदेश भेजने के नाम पर करीब 50 लाख रुपए की ठगी, मानव तस्करी, और बेटे को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। रघुबीर सिंह ने बताया कि उनका बेटा गुरविंदर सिंह अमेरिका जाने का इच्छुक था। उन्हें पता चला कि गांव जनसुई का सुरेंद्र सिंह विदेश भेजने का कार्य करता है। रघुबीर सिंह ने छह अगस्त 2023 को अपने बेटे और भतीजे के साथ जनसुई में आरोपी से मुलाकात की। आरोपी ने दावा किया कि वह गुरविंदर को सीधा हवाई जहाज से अमेरिका भेजेगा। उसने कहा कि इसके लिए कुल 50 लाख रुपए खर्च होंगे। उस दिन रघुबीर सिंह ने आरोपी को 5 लाख रुपए नकद दे दिए और बेटे के सभी दस्तावेज सौंप दिए। आरोपी ने अक्टूबर 2023 में कहा कि अमेरिका भेजने से पहले यूके और शैनेगन देशों की ट्रैवल हिस्ट्री बनानी होगी। इसके लिए उसने यूके का वीजा अप्लाई किया। 8 लाख रुपए की मांग की। फिर आरोपी को 8 लाख रुपए और दिए गए। 18 दिसंबर 2023 को आरोपी ने गुरविंदर को दुबई भेजा लेकिन 11 जनवरी 2024 को दुबई से वापस बुला लिया गया। 26 जुलाई को 2 लाख रुपए और छह अगस्त 2024 को 8 लाख रुपए नकद दिए गए।

मानव तस्करी का संदेह

7 सितंबर 2024 को आरोपी ने गुरविंदर को दिल्ली से मुंबई की फ्लाइट में बैठाया और कहा कि वह वहां से अमेरिका जाएगा परंतु ऐसा नहीं हुआ। अब तक उसका कुछ अता-पता नहीं चला है। परिजनों ने आरोपी पर मानव तस्करी का आरोप लगाया है।

वर्क वीजा पर कनाड़ा भेजने के नाम पर व्यक्ति से हड़पे 9.17 लाख रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

- आठ आरोपियों के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

वर्क वीजा पर कनाड़ा भेजने के नाम पर गांव फतेहगढ़ निवासी राजेश कुमार से नौ लाख 17 हजार रुपये हड़प लिए गए। राजेश कुमार अपने लड़के रचित को कनाड़ा भेजना चाहता था। पुलिस ने मोहाली स्थित इमीग्रेशन कार्यालय के संचालक समेत आठ लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

गांव फतेहगढ़ निवासी राजेश कुमार ने बूडिया पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह किसान है। उसका बेटा रचित विदेश जाकर नौकरी करना चाहता था। इस दौरान उसे पता चला कि मोहाली स्थित एक इमीग्रेशन ऑफिस है। जो लोगों को विदेश भिजवाने का काम करते हैं। राजेश ने बताया कि पिछले साल जुलाई में वह अपने बेटे को लेकर उस कार्यालय में गया। जहां पर उसकी मुलाकात राकेश रिक्खी व उसकी पत्नी प्रभा से हुई। दोनों ने भरोसा दिलाया कि वह सैकड़ों लोगों को विदेश भिजवा चुके हैं। इससे वह उनकी बातों से प्रभावित हुए और रचित को कनाडा भेजने की डील तय हो गई। राकेश रिक्खी के ऑफिस में बैठे कोमल, नताशा, निम्रत, रिया, जोध सिंह व राजेश कुमार से मिलवाया। आरोपियों ने उससे उसके लड़के को कनाड़ा भिजवाने के नाम पर नौ लाख 17 हजार रुपये व जरूरी दस्तावेज ले लिए। मगर इसके बाद आरोपियों ने उसके लड़के को विदेश नहीं भेजा। जब उसने आरोपियों से बात की तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। परेशान होकर उसने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर लिया है।

मानव को संस्कार देकर विकास की राह दिखाता है साहित्य : ढांडा

- एसडी कॉलेज में साहित्य परिषद हरियाणा का अधिवेशन शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

एसडी पीजी कॉलेज में अखिल भारतीय साहित्य परिषद् हरियाणा प्रांत के दो दिवसीय 22वें त्रेवार्षिक प्रांतीय अधिवेशन का शानदार आगाज शनिवार को मुख्य अतिथि प्रदेश के शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा के कर कमलों से हुआ।

दो दिवसीय अधिवेशन का विषय आत्मबोध से विश्वबोध है। प्रथम दिवस के सत्र की अध्यक्षता सारस्वत मोहन मनीषी अध्यक्ष हरियाणा प्रांत ने की। जबकि बतौर विशिष्ट अतिथि शरद अग्रवाल अतिरिक्त महाधिवक्ता हरियाणा और सानिध्य डॉ.पूर्णमल गौड़ मार्गदर्शक हरियाणा प्रांत रहे। डॉ.मंजूलता रेडू उपाध्यक्ष हरियाणा प्रांत ने मुख्य वक्ता के तौर पर भाग लिया। मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि सभ्यताओं, गीत-संगीत, लोक गाथाएं आदि को संजोने का काम साहित्य और साहित्यकारों का होता है। दुनिया में क्रान्ति पैदा करने का सबसे बड़ा हथियार साहित्य ही है। हमारा जीवन दर्शन कैसा हो, दुनिया में शान्ति और अमन कैसे स्थापित हो यह सभी काम साहित्यकारों के जिम्मे होते हैं। उन्होंनें अधिवेशन में भाग लेने वाले प्रत्येक साहित्यकार और लेखक से आग्रह किया कि वे इस अधिवेशन में अपने चिंतन से देश और विदेश सभी के लिए कुछ बेहतर विचार पैदा करें। साहित्य ऐसा होने चाहिए जो हमारा विकास भी करें और हममें संस्कार भी भरे। कवि सम्मेलन में सारस्वत मोहन मनीषी, सोनिया अक्स, डॉ.मनोज भारत, डॉ.महेन्द्र सिंह सागर, डॉ.जगदीप शर्मा श्राही, विनोद आचार्य, अनिल कुमार पृथ्वीपुत्र ने अपनी प्रस्तुति दी।

पानीपत। एसडी कॉलेज के प्राचार्य डॉ अनुपम अरोडा, मंत्री महीपाल ढांडा को साहित्य भेंट करते हुए।

घरौंडा महाविद्यालय और माय स्किल यूनिवर्सिटी में एमओयू

करनाल। राजकीय महाविद्यालय घरौंडा और माय स्किल यूनिवर्सिटी के बीच विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित करने हेतु आपसी समझौता (एमओयू) किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. सुरेंद्र नागिया और माय स्किल यूनिवर्सिटी के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर कांत कुमार ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यार्थियों के करियर निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। प्राचार्य ने बताया कि बीए, बीकॉम, बीएससी के 45 छात्रों ने इंटर्नशिप में भाग लिया। इस अवसर पर एंटी रैगिंग कन्वीनर डॉ. देवेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को रैगिंग से दूर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में डॉ. वीरेंद्र सिंह, डॉ. सुनील शर्मा, डॉ. सुरेश शर्मा, सुमन लता, गीता, मुकेश कुमार, डॉ. गुरमीत सिंह, डॉ. राकेश और अतुल जैन आदि मौजूद रहे।

किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने का प्रयास

- पुलिस ने चार आरोपी युवकों को नामजद कर तीन अन्य लड़कियों के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

थाना गांधी नगर क्षेत्र से किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि चार लड़के व तीन लड़कियां किशोरी को बहला कर नहर किनारे शमशान घाट के निकट ले गए थे।

जहां आरोपियों ने उसके साथ गलत काम करने की कोशिश की। लड़की के परिजनों के पहुंचने पर आरोपी वहां से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद चार आरोपी युवकों को नामजद करते हुए तीन अन्य लड़कियों के खिलाफ पोक्सो एक्ट के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। थाना गांधी नगर क्षेत्र के एक व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत देते हुए बताया कि वह किसी काम से बाहर गया था।

इस दौरान कॉलोनी के ही राघव, विपल्ल उर्फ विषु, लक्की, तरूण व तीन अन्य लड़कियां उसकी लड़की को बहला फुसला कर अपने साथ नहर किनारे शमशान घाट की तरफ लेकर चले गए। जब उन्हें इसकी भनक लगी तो वह मौके पर पहुंचा। उसे आता देखकर आरोपी उसकी बेटी को धक्का देकर फरार हो गए।

कपड़ा मंत्रालय सचिव नीलम शम्मी राव ने किया दौरा

विकास में पानीपत टेक्सटाइल की खास भूमिका

- कपड़ा मंत्रालय की सचिव से 350 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले प्रोजेक्ट की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

कपड़ा मंत्रालय सचिव नीलम शम्मी राव ने हैंडलूम एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल आफ इंडिया व पानीपत एक्सपोर्टर एसोसिएशन के उद्योगपतियों के साथ दौरे में चर्चा करते हुए टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़ी समस्याओं का जल्द समाधान करवाने का आश्वासन दिया।

औद्योगिक नगरी पहुंचने पर एसडीएम मनदीप सिंह ने बुके देकर उनका स्वागत किया। कपड़ा मंत्रालय सचिव नीलम शम्मी राव ने कहा कि टेक्सटाइल इंडस्ट्री में जाकर उद्योगपतियों की समस्याओं व उपलब्धियां को समझा है। उन्होंने कहा कि राज्य के अधिकारियों के साथ एमएसएमई, कॉमर्स विभाग व टेक्सटाइल मंत्रालय के अधिकारियों के आपस में बातचीत कर पानीपत की इंडस्ट्री को ऊंचाइयों तक ले जाने पर बातचीत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन में औद्योगिक नगरी की टेक्सटाइल इंडस्ट्री की भागीदारी अधिक से अधिक हो इसको लेकर केंद्र सरकार निरंतर काम कर रही है। वर्तमान में टेक्सटाइल पार्क बनाने की योजना रिव्यू में है और जब भी स्वामित्व आयोग में चर्चा होगी जिसमे जो नई योजनाएं बनेंगी उसको आगे लेकर जाएंगे। कई उद्योगपतियों के सुझाव आए, उन्हें रोड मैप तैयार करने को कहा है, जो भी केंद्र सरकार की भागीदारी होगी वह पूरी की जाएगी। बैठक में हरियाणा चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन विनोद धमीजा ने पानीपत में 350 करोड रुपए की लागत से बनने वाला कॉमन ज़लडीपी लिए बनाने की मांग रखी। उम्मीद है कि समस्याओं का समाधान होगा।

बैठक में एक्सपोर्ट एसोसिएशन के प्रधान ललित गोयल, डाइंग एसोसिएशन के प्रधान नितिन अरोड़ा, एसडीएम मनदीप सिंह, डीआईसी मैनेजर सतीश समेत बडी संख्या में टेक्सटाइल कारोबारी उपस्थित रहे।

पानीपत। केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय की सचिव नीलम को पानीपत के उद्यमियों की समस्याओं की जानकारी देते हुए विनोद धमीजा।

खबर संक्षेप

प्राचीन गोगा माड़ी में भंडारा कल

रादौर। प्राचीन एवं ऐतिहासिक गोगा माड़ी पर 14 जुलाई को विशाल भंडारा लगेगा। भंडारे से पहले जाहरवीर गोगा की महिमा का गुणगान करने के लिए संकीर्तन कार्यक्रम होगा। जिमसें तरसेम एंड पार्टी अपने भजनों के माध्यम से बाबा गोरखनाथ, जाहरवीर गोगा समेत अन्य देवी देवताओं की महिमा का गुणगान करेंगे। भगत अनिल कश्यप व बाबू कश्यप ने बताया कि गोगा माडी परिसर में 14 जुलाई को सुबह से दोपहर तक जाहरवीर गोगा जी का संकीर्तन आयोजित किया जाएगा। जिसमें तरसेम एंड पार्टी गुरु गोरखनाथ, जाहरवीर गोगा, माता काली, नाहर सिंह, सबल सिंह बोरी व लाडो माता की महिमा का गुणगान करेंगे। उन्होंने सभी से अपील की कि सभी अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर गोगाजी की महिमा को सुने व प्रसाद ग्रहण करें।

रास्ता रोककर महिला के साथ मारपीट, केस दर्ज

यमुनानगर। गांव खुंडेवाला से जा रही महिला का रास्ता रोककर व्यक्ति ने मारपीट की। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव रजपुरा निवासी बलजिंद्र कौर ने बताया कि वह 11 जुलाई को सुबह पौने 11 बजे किसी काम से जा रही थी। गांव खुंडेवाला के पास बलविंद्र पाल ने रास्ता रोक कर उसके साथ मारपीट की। उसके शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

निगमायुक्त अखिल पिलानी के आदेश पर की गई कार्रवाई

बिना अनुमति के बिना बनाई फैक्ट्री तीन गोदाम और एक दुकान सील

तीन तीन नोटिस देने के बाद भी कोई जवाब नहीं देने पर नगर निगम ने अपनाया कड़ा रुख

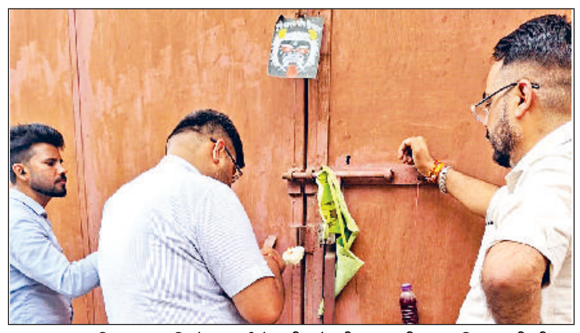
यमुनानगर। बिना अनुमति के बनाई फैक्ट्री को सील करती नगर निगम की टीम।

यमुनानगर। रादौर में नपा चेयरमैन रजनीश मेहता को ज्ञापन सौंपते स्थानीय लोग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर जगाधरी प्रशासन द्वारा रिहायशी क्षेत्र में बिना नक्शा पास कराए बनाई गई फैक्ट्री, तीन गोदाम व एक दुकान को सील कर दिया। फैक्ट्री मालिक व दुकान मालिक को निगम द्वारा तीन तीन नोटिस दिए गए। नोटिस का कोई जवाब न देने पर निगमायुक्त अखिल पिलानी के निर्देशों पर नगर निगम की टीम ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रुप में तैनात किए गए कृषि विकास अधिकारी डा. आशीष कुमार के नेतृत्व में नगर निगम की टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में फैक्टरी, गोदाम व दुकान को सील किया गया। मौके पर निगम की टीम ने नोटिस चस्पा कर संपत्तियों पर लगाई गई सील के साथ छेड़छाड़ करने पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी।

निगम के सहायक नगर योजनाकार दीपक सुखीजा ने बताया कि वर्ष 2024 में कुछ लोगों ने सीएम विंडो पर शिकायत दी थी कि दुर्गा गार्डन के रिहायशी क्षेत्र में नगर निगम की अनुमति के बिना फैक्ट्री व गोदाम बनाए गए हैं। शिकायत के बाद निगम की टीम ने मौके पर जाकर जांच की। जांच करने पर पता चला कि यह फैक्ट्री व गोदाम नक्शा पास कराए बिना बनाई गई है। तब फैक्ट्री मालिक को नगर निगम में मलकीयत न नक्शा पास कराने संबंधित दस्तावेज निगम कार्यालय में जमा कराने का नोटिस दिया गया। लेकिन फैक्ट्री मालिक द्वारा कोई दस्तावेज निगम कार्यालय में प्रस्तुत नहीं किया।

अंतिम नोटिस के बाद की गई कार्रवाई

जिसके बाद नगर निगम द्वारा फैक्टरी मालिक को दो नोटिस ओर दिए गए। जिनमें अंतिम नोटिस भी शामिल था। लेकिन फैक्ट्री मालिक द्वारा फिर भी कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद नगर निगम आयुक्त अखिल पिलानी के निर्देशों पर जेपी मेटल फैक्ट्री व उसके तीनों गोदाम को सील करने के लिए टीम बनाई गई। ड्यूटी मजिस्ट्रेट कृषि विकास अधिकारी डॉ. आशीष कुमार के नेतृत्व में बनी टीम में सहायक नगर योजनाकार दीपक सुखीजा, भवन निरीक्षक नरेश दहिया, अर्जुन व अन्य को शामिल किया गया। जिसके बाद निगम की टीम द्वारा पुलिस बल के साथ उक्त संपत्तियों को सील किया गया। इसी तरह दुर्गा गार्डन में ही अनुमति के बिना बनाई गई एक दुकान को भी सील किया गया।

बेसहारा गोवंशजों को पकड़ने के लिए नपा चेयरमैन को सौंपा ज्ञापन

■ नपा चेयरमैन ने लोगों को दिया दिया बेसहारा गोवंशजों से मुक्ति दिलाने का भरोसा।

रादौर। रादौर के नागरिकों ने कस्बा समेत इलाके में घूम रहे बेसहारा गोवंशजों को पकड़ने के लिए नपा चेयरमैन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में से कस्बा में गौशाला बनाए जाने और बेसहारा गोवंशजो को पकड़वाए जाने की मांग की। अमित कांबोज के नेतृत्व में रादौर के दर्जन भर नागरिक नपा चेयरमैन रजनीश मेहता से मिले। नागरिकों ने नपा चेयरमैन को सौंपे ज्ञापन में कहा कि पिछले लंबे समय से कस्बा की सड़कों व गलियों में भारी संख्या में बेसहारा गोवंशज और अन्य पशु घूम रहे हैं। जिनसे लोगों को हर समय खतरा बना रहता है। बेसहारा घूम रहे गोवंशजो में कुछ गोवंश लोगों के पीछे भागकर मारने के दौड़ते हैं। जिनसे स्थानीय लोगों को हर समय खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि गलियों में छोटे छोटे बच्चे खेलते रहते हैं। मगर बेसहारा गोवंशजों के डर के कारण लोग अपने बच्चों को घरों से बाहर नहीं निकलने देते हैं। जिससे बच्चे, बुढ़े और जवान सभी घरों में कैद हो कर रह गए हैं। उन्होंने ज्ञापन में कस्बा में गौशाला बनाए जाने, गंदे पानी की निकासी करवाए जाने समेत अन्य समस्याओं को पूरा किए जाने की मांग की। नपा चेयरमैन रजनीश मेहता ने नागरिकों को उनकी सभी मांगो को जल्द पूरा करवाए जाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सीनियर पार्षद भगवतदयाल कटारिया, अमित कांबोज, अशोक गुंबर, त्रिलोचन सिंह टोची, डॉ. बलदेव सैनी, मोहनलाल अरोड़ा, मंगतराम बठला, गुरदयाल सैनी व धर्म सिंह पिंकी आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। रादौर में लगाए गए सोलर से चलने वाले सीसीटीवी कैमरों की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह राणा। फोटो: हरिभूमि।

रादौरः अब सोलर से चलने वाले सीसीटीवी की रहेगी नजर

■ अब प्रवेश द्वारों से कस्बे में घुसने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर रहेगी पुलिस की नजर

■ सीसीटीवी लगाने से कस्बे में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में मिलेगी मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

कस्बे के आठ प्रवेश द्वारों पर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सोलर से चलने वाले सीसीटीवी कैमरे लगा दिए हैं। सोलर से चलने वाले सीसीटीवी कैमरों के लगाए जाने से अब रादौर में असमाजिक तत्वों पर शिकंजा कसा जा सकेगा। उक्त जानकारी रादौर के थाना प्रभारी नरेंद्र राणा ने की।

थाना प्रभारी रादौर नरेंद्र सिंह राणा ने बताया कि पुलिस प्रशासन द्वारा रादौर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने और अपराधिक गतिविधियों में शामिल और असमाजिक तत्वों पर नकेल कसने के लिए कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। इस क्रम में रादौर कस्बा के मुख्य आठ प्रवेश द्वारों पर पुलिस दवारा सोलर से चलने वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। अब रादौर में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति पर पुलिस की नजर रहेगी। उन्होंने बताया कि रादौर पुलिस थाना में कंट्रोल रूम बनाया गया है। कंट्रोल रूम से ही कस्बा में आने जाने वाले लोगों पर नजर रखी जाएगी। थाना रादौर प्रभारी इंस्पेक्टर नरेंद्र राणा ने बताया कि पुलिस ने कस्बा के बुबका चौक, जेएमआईटी चौक, त्रिवेणी चौक, नहर के पुल पर, मंडी चौक, घेसपुर चुंगी चौक, बस स्टेंड चौक व अलीपुरा पुलिस नाके पर कैमरे लगाए हैं।

आने वाले समय में अंदर भी लगाए जाएंगे सीसीटीवी

रादौर के अंदर भी पुलिस जल्द सीसीटीवी कैमरे लगाएगी। थाना प्रभारी ने बताया कि वह स्वयं अपने मोबाइल के माध्यम से अलीपुरा पुलिस नाके व अन्य चौको पर लगे सीसीटीवी कैमरो के माध्यम से नजर रख रहे हैं। उन्होंने स्थानीय लोगों से असामाजिक तत्वों के बारे में पुलिस को सूचित कर अपराध पर काबू पाने में पुलिस की सहायता करने की अपील की।

महिलाओं को पॉश एक्ट की जानकारी जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी नाचरौन(रादौर) में शनिवार को पॉश एक्ट 2013 यूजीसी एंड एआईसीटीई रेगुलेशन के तहत महिला कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में संस्थान के सीएससी विभाग की अंजू ने भाग लिया। जबकि अध्यक्षता सीएससी विभागाध्यक्ष कोमल आहूजा ने की।

मुख्य वक्ता अंजू ने विद्यार्थियों को पॉश एक्ट से जुड़े कानूनी प्रावधानों, महिला कर्मचारियों के अधिकारों और कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण बनाए रखने की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिलाओं को पॉश एक्ट के बारे में जागरुक होना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि पॉश एक्ट 2013 कार्यस्थल पर महिलाओं को एक सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण प्रदान करने के लिए बनाया गया है। मुख्य वक्ता अंजू ने बताया कि पॉश एक्ट का उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करना, ऐसा करने वालों को दंडित करना और पीडतिों को न्याय दिलाना है। इसके प्रमुख प्रावधानों में यौन उत्पीड़न की परिभाषा,प्रत्येक संस्था में आंतरिक शिकायत समिति,शिकायत करने की समय सीमा, गोपनीयता का प्रावधान न शिकायत पर कार्रवाई करना शामिल हैं। मौके पर संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्य अग्रवाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम सभी को न केवल कानून की जानकारी देते हैं। बल्कि महिलाओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक बनाते हैं।

बाइक सवार युवकों ने महिला से छीना बैग

यमुनानगर। जगाधरी की इंद्रा कॉलोनी में बाइक सवार युवक ने महिला से बैग छीन लिया। बैग में 10 हजार 670 रुपये थे। पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। महावीर कॉलोनी निवासी शारदा कांबोज ने बताया कि वह 11 जुलाई को दोपहर काम से घर लौट रही थी। जब वह इंद्रा कॉलोनी से पैदल घर जा रही थी तो बाइक पर सवार होकर एक युवक आया। इस दौरान आरोपी ने उसके हाथ से बैग छीन लिया और मौके से भाग गया। उसके शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने आरोपियों को पीछा कर उसे पकड़ने का प्रयास किया लेकिन आरोपी मौके से भागने में कामयाब रहा।

अभिनेता राजेंद्र कुमार की पुण्यतिथि मनाई

■ रोटरी क्लब रादौद में आयोजित कार्यक्रम आयोजित कर दी श्रद्धांजलि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रोटरी क्लब रादौर द्वारा शनिवार को कस्बा में कार्यक्रम आयोजित कर मशहूर फिल्म अभिनेता रहे स्व. राजेंद्र कुमार की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस दौरान रोटरी क्लब के सदस्यों व उनके प्रशंसकों ने स्व. राजेंद्र कुमार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उन्हें नमन किया।

क्लब के प्रधान हरजीत सिंह ने बताया कि मशहूर फिल्म अभिनेता राजेन्द्र कुमार का जन्म 20 जुलाई 1927 को ब्रिटिश भारत के पंजाब प्रांत के सियालकोट शहर में हुआ था। जो अब पाकिस्तान में है। वे 60 तथा 70 के दशकों में बॉलीवुड के सफलतम अभिनेताओं में से एक थे। 80 के दशक में वह कई फिल्मों के निर्माता रहे। उन्होंने बताया कि राजेन्द्र कुमार ने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत 1950 की फिल्म जोगन से की थी। फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार व नरगिस के साथ अभिनय करने का अवसर मिला। उन्हें 1957 में बनी मदर इंडिया से ख्याति प्राप्त हुई। जिसमें उन्होंने नरगिस के बेटे की भूमिका अदा की। वर्ष 1959 की फिल्म गूंज उठी शहनाई की सफलता के बाद उन्होंने बतौर मुख्य अभिनेता का नाम कमाया। उन्होंने बताया कि 60 के दशक में राजेंद्र कुमार ने काफी नाम कमाया और कई बार ऐसा भी हुआ कि उनकी छह सात फिल्में एक साथ सिल्वर जुबली हर सप्ताह में होती थीं। इसी कारण से उनका नाम जुबली कुमार पड़ गया। 1986 में उन्होंने अपने पुत्र और संजय दत्त को लेकर नाम फिल्म बनाई जो फिर से बॉक्स ऑफिस में धमाल मचाने में कामयाब रही। अपने 70वें जन्मदिन से केवल आठ दिन पहले 12 जुलाई 1999 को कैंसर की बीमारी के चलते उनका देहवसान हो गया।

तीन घरों से लाखों के गहने व सामान चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

■ बढ़ती चोरी से लोगों में खौफ पुलिस ने तीनों मामलों की शुरू की जांच

ट्विन सिटी में चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपयें के जेवर व अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने तीनों मामलों की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार विष्णु नगर निवासी विनय मैनी ने फरकपुर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 13 मई को घर का ताला लगाकर परिवार के साथ बाहर गया था। देर शाम जब वह वापस लौटा तो घर का लगा ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर घर से सोने व चांदी के जेवर, पीतल व चांदी के बर्तन गायब मिले। जिसकी कीमत करीब साढ़े तीन लाख रुपये है। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

नेहा परिवार के साथ गई थी बाहर वापस लौटी तो टूटा मिला ताला

खड्डा कॉलोनी जवाहर नगर निवासी नेहा पांचाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 10 जुलाई को घर का ताला लगाकर परिवार के साथ किसी काम से बाहर गई थी। अगले दिन जब वापस लौटी तो घर का लगा ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर घर से सोने का हार, चेन, लोकेट, कांटे, दस अंगूठियां, पांच जोडी पाजेब, चुकटियां व अन्य जेवर गायब मिले। जिनकी कीमत करीब पांच लाख रुपये है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

सेक्टर में घर का ताला तोड़कर करीब डेढ़ लाख का सामान चुराया

चोरों ने हुड्डा सेक्टर 17 निवासी हेमंत कुमार के घर का ताला तोड़कर पांच हजार रुपये, 11 चांदी के सिक्के, सोने की अंगूठी, सोने के सिक्के व अन्य सामान चोरी कर लिया। चोरी हुए सामान की कीमत करीब एक लाख 30 हजार रुपये है। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

एसके रोडः सूखें पेड़ों से हादसे का डर

■ रादौर के त्रिवेणी चौक के नजदीक लंबे अर्से से खड़े हैं सफेदे के सूखे पेड़, कटवाने की मांग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रादौर के एसके मार्ग पर कस्बा के त्रिवेणी चौक के नजदीक लंबे अर्से से खड़े सफेदे के सूखे पेड़ बरसात के मौसम में उखड़कर नीचे गिरने से किसी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग व जिला प्रशासन से एसके मार्ग पर त्रिवेणी चौक के पास सड़क किनारे खड़े सफेदे के सूखे पेड़ों को कटवाए जाने की मांग की।

क्षेत्रवासी मनोज कुमार, देवेंद्र कुमार, राजकुमार, सुरेश, रमेश व विजय ने बताया कि रादौर में एसके रोड पर गोल्डी ढाबे से लेकर त्रिवेणी चौक तक सड़क किनारे काफी संख्या में लंबे अर्से से भारी भरकम सफेदे के सूखे पेड़ खड़े हुए हैं। आंधी, बरसात व तूफान आने पर यह सूखे सफेदे के पेड़ सड़क से गुजर रहे वाहनों पर गिरकर बड़ी दुर्घटना को अंजाम दे सकते हैं। सूखे पेड़ कभी भी सड़क पर गिरकर किसी वाहन को अपनी चपेट में लेकर राहगीरों के लिए खतरे का कारण बन सकते हैं। लंबे समय से स्थानीय लोग वन विभाग से सड़क किनारे खड़े भारी भरकम सफेदे के सूखे पेड़ों को कटवाए जाने की मांग करते आ रहे हैं। लेकिन बार बार शिकायत करने पर भी सड़क किनारे खड़े सुखे सफेदे के पेड़ों को काटा नहीं जा रहा है। जिससे स्थानीय लोगों में विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष है। उनकी मांग है कि वन विभाग की ओर से जल्द से जल्द सड़क किनारे खड़े सूखे पेड़ों को कटवाकर जनता को राहत पहुंचाई जाए।

कांवड़ यात्रा के बाद कटवाएंगे

वन विभाग कॉरपोरेशन विंग के डिप्टी मैनेजर रमेश कांबोज ने बताया कि कांवड़ यात्रा खत्म होते ही सूखे पेड़ों को कटवा दिया जाएगा। सूखे पेड़ कटवाकर स्थानीय लोगों की समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

हरियाणा में खेलों के प्रति युवाओं का बढ़ रहा रुझानः डॉ. कांबोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

कांबोज सभा ने शनिवार को कस्बा स्थित कांबोज धर्मशाला में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी राई हरियाणा के रजिस्ट्रार डॉ. जसविंदर कांबोज ने भाग लिया। खेल यूनिवर्सिटी राई के खेल प्रोजेक्ट ऑफिसर साहिल दहिया मौजूद रहे। कांबोज सभा के सदस्यों ने दोनों अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. जसविंद्र कांबोज ने बताया कि खेलों के क्षेत्र में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी राई का पूरे भारत में नाम है। यूनिवर्सिटी से निकले हुए खिलाड़ी विश्व स्तरीय खेलो में काफी मैडल जीत कर आए हैं। हरियाणा सरकार भी खेलो इंडिया मुहिम के तहत खेलों को आगे बढ़ाने में लगी हुई है। जब से सरकार ने खेलो में योग को जोड़ा है और सरकारी नौकरियों में खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है। तब से हरियाणा में खेलों के प्रति युवाओं का आकर्षण बढ़ा है। यूनिवर्सिटी का उतरी हरियाणा के खिलाड़ियों की और विशेष ध्यान है। जिले के अलावा करनाल व कुरुक्षेत्र आदि जिलों से खेलो से जुड़ी प्रतिभाओं का चयन कर उन्हें स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। मौके पर जिला कांबोज सभा के प्रधान लक्ष्मी चंद ने बताया कि कार्यक्रम में 28 जुलाई को इंद्री में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय शहीदी दिवस को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने दोनों अतिथियों का कार्यक्रम में पहुंचने पर आभार प्रक्ट किया। मौके पर कांबोज धर्मशाला के प्रधान वेद प्रकाश कांबोज व जिला कांबोज सभा के प्रधान लक्ष्मी चन्द कांबोज ने डॉ. जसविंदर कांबोज व साहिल दहिया को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जय प्रकाश कांजनू, जगमाल रतनगढ़, अशोक जुब्बल, राजीव आर्य, चेयरमैन विपिन कांबोज, शीश कुमार, राम कुमार कांजनू, जिला मीडिया प्रभारी अमित कांबोज, सतीश कांबोज, वागीश दोहली, शिव कुमार संधाला, सोमनाथ, ओमप्रकाश चमरोडी व ईश्वर जयपुर मौजूद रहे।

आवर्धन नहर का नवीनीकरण बना किसानों की परेशानी का सबब

धीमी गति से चल रहा काम, तेजी लाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। जठलाना मार्ग पर आवर्धन नहर पर बने गांव नाचरौन पुल से लेकर राझेड़ी पुल तक पटरी पर बने रास्ते पर पड़े मिट्टी के ढेर व भरा हुआ बरसात का पानी। फोटो: हरिभूमि।

पिछले करीब दो साल से यमुनानगर के हमीदा हैड से लेकर करनाल तक आवर्धन नहर के नवीनीकरण का कार्य धीमी गति से चलने के कारण नहर की पटरी पर बने रास्तों से लोगों व किसानों का चलना मुहाल हो गया है। आलम यह है कि नहर की पटरी पर बने रास्तों पर जहां मिट्टी के बड़े बड़े ढेर पड़े हैं, वहीं, बरसात का पानी भरने से कीचड़ बनने से लोगों का आवागमन बंद हो गया है। किसान अपने खेतों में ट्रैक्टर समेत अन्य साधन भी नहीं ले जा पा रहे हैं। जिसके किसान परेशान हैं व नहरी विभाग व सरकार से नहर की पटरी पर बने रास्तों को ठीक करवाए जाने की मांग की।

रास्तों पर मिट्टी के ढेर

क्षेत्र के किसान पवन कुमार, सतीश कुमार, चैन सिंह, लाभ सिंह, गुलाब सिंह, रविंद्र कुमार व कंवरपाल आदि ने बताया कि आवर्धन नहर पर नवीनीकरण का कार्य चलने के कारण जठलाना मार्ग पर बने नाचरौन पुल से लेकर राझेड़ी पुल तक नहर की पटरी पर बने रास्ते पर मिट्टी के बड़े बड़े ढेर पड़े हैं। नवीनीकरण के कार्य में लगे संबंधित विभाग और ठेकेदार द्वारा मिट्टी के ढेरों को समतल करवाकर रास्ते को ठीक नहीं करवाया गया है। उन्होंने बताया कि आवर्धन नहर के दोनों तरफ सैंकड़ो किसानों की कृषि योग्य भूमि है।

जिसमें आने जाने के लिए नहर की पटरी पर दशकों से रास्ते बने हुए हैं। नवीनीकरण से पहले पंचायतों द्वारा रास्तों में ईंटे आदि लगाकर सड़क बनाई हुई थी। मगर जब से नवीनीकरण का कार्य शुरु हुआ है। रास्तों से ईंटे उखाड़ दी गई हैं। किसानों को उम्मीद थी कि आवर्धन नहर के नवीनीकरण का कार्य जल्द पूरा हो जाएगा।

आवागमन हुआ मुश्किल

मगर नवीनीकरण का कार्य इतनी धीमी गति से चल रहा है कि अभी एक वर्ष का और समय लगने के आसार दिखाई दे रहे हैं। किसानों ने बताया कि आवर्धन नहर की पटरी पर बने रास्ते की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि उस पर ट्रैक्टर, बुग्गी या अन्य कोई भी साधन ले जाना मुश्किल हो गया है। किसानों ने प्रदेश सरकार से नहर की पटरी पर बने रास्तों से मिट्टी के ढेर समतल करवाकर उसे दुरुस्त बनवाए जाने की मांग की।

खबर संक्षेप

सरचार्ज माफी योजना का लाभ उठाएं उपभोक्ता

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि जिले के बिजली उपभोक्ता सरकार द्वारा लागू की गई सरचार्ज माफी योजना 2025 के तहत अब उपभोक्ता अपने पुराने बिजली बिलों का भुगतान केवल मूल राशि के आधार पर कर सकेंगे। इस योजना के अंतर्गत 31 अगस्त 2024 तक के बकाया बिजली बिलों पर लगाया गया पूरा सरचार्ज फ्रीज कर दिया गया है। इस योजना का लाभ 11 नवंबर 2025 तक लिया जा सकता है। उपायुक्त नेहा सिंह ने बिजली उपभोक्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि यह योजना उपभोक्ताओं के लिए आर्थिक राहत का सुनहरा अवसर है।

आचार्य दक्षता वर्ग का किया आयोजन

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में अमीन मार्ग स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में को आचार्य दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। इस दौरान अखिल भारतीय हिंदी गीत....भारत मां के चरण कमल की, का अभ्यास नीलम दीदी द्वारा करवाया गया। एकात्मता मंत्र लता दीदी व एकात्मता स्तोत्र मंजू दीदी द्वारा करवाया गया। आचार्य दीदी रेखा व रश्मि द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन व वंदना सोनिया दीदी द्वारा करवाई गई।

नशीला पदार्थ रखने का आरोपी गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। जिला पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी पर शिकंजा कसते हुए नशीला पदार्थ रखने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। अपराध अन्वेषण शाखा-1 की टीम ने नशीला पदार्थ रखने के आरोप मे अनमोल निवासी अम्बाला को काबू करके उसके कब्जे से 100 ग्राम अफीम/हैरोइन बरामद की। पुलिस टीम ने नशीला पदार्थ सप्लाई करने के आरोपी हरीकिशोर वासी अम्बाला को भी गिरफ्तार किया है।

फसल बीमा योजना के लिए आवेदन 31 तक

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली फसल क्षति की भरपाई के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की गई है। खरीफ फसलों के लिए 31 जुलाई, 2025 तक योजना में आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने किसानों से योजना के अंतर्गत धान, बाजरा, कपास, मक्का और मूंग जैसी प्रमुख खरीफ फसलों का बीमा करवाने का आह्वान किया।

स्वच्छता एवं चालान को लेकर बैठक 14 को

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाने के लिए अधिकारियों को निरंतर अपने प्रयास जारी रखने होंगे। इस शहर को स्वच्छ रखने के लिए निरंतर स्वच्छता पर पूरा ध्यान देना होगा। इस शहर को स्वच्छ बनाने के लिए आम नागरिक के सहयोग की भी निहायत जरूरत होगी। उपायुक्त नेहा सिंह ने आज यहां जारी आदेशों में कहा कि थानेसर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए स्वच्छता एवं चालान के विषय को लेकर 14 जुलाई 2025 को दोपहर 12 बजे लघु सचिवालय के सभागार में एक बैठक का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 19797 में से निपटाए 15376 मामलें

5 करोड़ 85 लाख 93 हजार का मुआवजा देने के आदेश पारित

- जिला कोर्ट परिसर, शाहाबाद और पिहोवा में हुआ आयोजन
- जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल ने की अध्यक्षता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला कोर्ट परिसर, शाहाबाद व पिहोवा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल की अध्यक्षता में किया गया। इस लोक अदालत में रखे गए 19797 मामलों में से 15376 मामलों का मौके पर निपटारा किया गया।

इन मामलों में 5 करोड़ 85 लाख 93 हजार 296 रूपए के मुआवजा देने के आदेश पारित किए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निपटारा करने के उद्देश्य से विद्वान प्रधान न्यायाधीश हरलीन ए. शर्मा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतीश कुमार, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दवेन्द्र, न्यायिक मजिस्ट्रेट रेणु बाला, न्यायिक मजिस्ट्रेट गिर्राज सिंह, उप-मंडल न्यायिक मजिस्ट्रेट अनीता रानी, उप-मंडल न्यायिक कपिल, स्थायी लोक अदालत के उप-अध्यक्ष प्रवीन गुप्ता की अध्यक्षता में बेंच का गठन किया गया था।

कुरुक्षेत्र। लोक अदालत के दौरान मामलों का निपटारा करते हुए। फोटो : हरिभूमि

लोक अदालत में प्राप्त मामलें

इन बैंचों के पास प्री-लिटिगेशन के 10779 मामलों में से 9121 का निपटारा किया गया और इन केसों में 9 लाख 74 हजार 379 रुपए की सेटेलाइट के आदेश पारित हुए। अदालतों में लंबित मामलों में 9018 मामलों में से 6255 मामलों का निपटारा मौके पर किया गया। इन मामलों में 5 करोड़ 76 लाख 18 हजार 917 रुपए की राशि की सैटेलमेंट के आदेश पारित हुए। इस लोक अदालत में कुल 19797 मामलों में से 15376 मामलों का निपटारा किया गया। इन मामलों में 5 करोड़ 85 लाख 93 हजार 296 रुपए की राशि की सेटलमेंट करने के आदेश पारित हुए।

कुवि तथा विद्या भारती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च ट्रस्ट के बीच हुआ एमओयू

- विद्यार्थियों को भारत की ज्ञान परंपरा की मिलेगी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अध्यक्षता में शनिवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग तथा विद्या भारती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च ट्रस्ट, कुरुक्षेत्र. के बीच एमओयू किया गया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल तथा विद्या भारती की ओर से नॉर्थ जोन के प्रधान सुरेन्द्र अत्री ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने एमओयू के लिए बधाई देते हुए कहा कि अंग्रेजी भाषा संचार आज के युग में बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखता है और टीचर्स के कौशल विकास के लिए उनके प्रशिक्षण पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। इस एमओयू के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा के माध्यम से विद्यार्थियों को भारत की ज्ञान परंपरा की जानकारी मिलेगी और इसका विस्तार पूरे विश्व में करने का स्वर्णिम अवसर मिलेगा। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि एमओयू के तहत ए-प्लस-प्लस ग्रेड कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय अपनी सुविधाएं विद्या भारती ट्रस्ट को प्रदान करेगा। भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भारतीय ज्ञान परंपरा का विस्तार स्कूलों व कॉलेजों में करना चाहते हैं उसी कड़ी के अंतर्गत यह एमओयू कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को एक तरह की सहायता प्रदान करेगा जिससे कि विद्या भारती के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा के विशेषज्ञ विश्वविद्यालय में आकर अपना व्याख्यान देंगे एवं जो भी शोध उनके द्वारा किया गया है उसको भी सांझा करेंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल, नार्थ जोन के प्रधान सुरेन्द्र अत्री, अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. सुनील ढींगरा, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. रश्मि वर्मा, प्रो. सुनीता सिरोहा, गीता स्कूल के मैनेजर वीरेन्द्र वालिया सुश्री निधि सच्चर , प्रिंसिपल ऑफ विद्या भर्ती इंस्टिट्यूट ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च, पंकज, प्रधान पूर्व छात्र संगठन, विद्या भर्ती इंस्टिट्यूट ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च, रामेन्द्र प्रताप ठाकुर, मैनेजर, विद्या भर्ती इंस्टिट्यूट ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च मौजूद थे।

कुवि के वाणिज्य विभाग ने चलाया वृक्षारोपण अभियान

- नए शैक्षणिक सत्र का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने और नए शैक्षणिक सत्र का स्वागत करने के लिए वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया तथा वाणिज्य विभाग द्वारा विभाग की वार्षिक पत्रिका का विमोचन भी किया गया जिसमें सत्र 2024-2025 की शैक्षणिक और पाठ्यचर्या गतिविधियों को शामिल किया गया है। प्रोफेसर महाबीर नरवाल ने कहा कि विभाग की पत्रिका छात्रों और संकाय के लिए अपनी साहित्यिक और बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। पौधारोपण कार्यक्रम पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने और छात्रों के बीच शैक्षणिक और रचनात्मक विकास को प्रोत्साहित करने में भूमिका निभाता है। प्रोफेसर नीलम ढांडा ने भी इस पहल की सराहना की। वृक्षारोपण समारोह में विभाग के डीन प्रो. नीलम ढांडा, विभागाध्यक्ष प्रो. महाबीर नरवाल, प्रो. अजय सुनेजा, प्रो. सुभाष चंद, एसोसिएट प्रोफेसर रश्मि चौधरी और सहायक प्रोफेसर आशीष सांगवान सहित विभाग प्राध्यापक उपस्थित थे। कुरुक्षेत्र। गतका किट भेंट करते हुए सुखविंद्र सिंह।

गुरु पूर्णिमा पर भजल संध्या आयोजित

- जन गायक विक्रम हाजरा ने अपनी प्रस्तुति से किया मंत्र मुग्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहाबाद

लाडवा रोड स्थित एक निजी पैलेस में आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के द्वारा गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन भजन संध्या के माध्यम से मनाया गया। इसमें भजन गायक विक्रम हाजरा ने अपनी प्रस्तुति से आए हुए हजारों की संख्या में उपस्थित को को मंत्र मुग्ध कर दिया। विक्रम हाजरा के द्वारा अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम राम नारायण देवकी वल्लभम भजन पर आई हुई पूरी संगत झूमने पर विवश हो गए। इस मौके पर उत्तर प्रदेश उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और विक्रम हाजरा की प्रस्तुति का पूरा आनंद लिया और भाव विभोर हो गए काफी श्रद्धालु की आंखों से अश्रु धारा देखी गई। आर्ट ऑफ लिविंग के नगर प्रमुख दीपक सिंगला ने बताया श्री श्री रविशंकर जी द्वारा संचालित आर्ट ऑफ लिविंग पूरे विश्व में कार्य कर रही है जिसमें सुदर्शन क्रिया द्वारा व्यक्ति अपने जीवन को अध्यात्म की ओर ले जा सकता है। इस मौके पर गुरदीप सिंह भुल्लर, सनी छाबड़ा, भारत विपिन गुप्ता एडवोकेट, डॉक्टर सिद्धार्थ राजेश बवेजा, कलवंत शर्मा पार्षद नीतू सिंगल, आदि मौजूद रहे।

शाहाबाद। कार्यक्रम के दौरान अपनी प्रस्तुति देते भजन गायक।

मॉडल वर्ष देखकर गाड़ियां प्रतिबंधित करना जनविरोधी

पुराने डीजल पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध संबंधी नीति पर पुनः विचार करें सरकार : अंकित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

ऑल इंडिया लॉयर्स फोरम के प्रदेश महासचिव एवं विश्व मानवाधिकार सुरक्षा आयोग के राष्ट्रीय सदस्य एडवोकेट अंकित गुप्ता ने केंद्र एवं राज्य सरकारों से 10 वर्ष पुराने डीज़ल वाहनों और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों को सड़कों से हटाने की नीति पर पुनर्विचार करने की अपील की है। एडवोकेट गुप्ता ने कहा कि यह नीति सीधे-सीधे आम आदमी की गाढ़ी कमाई पर डाका डालने जैसा है। कोई व्यक्ति अपने खून-पसीने की कमाई से लाखों रुपये खर्च कर वाहन खरीदता है और उसका पंजीकरण शुल्क भी सरकार को पूरे 15 वर्षों के लिए अदा करता है। ऐसे में सिर्फ 10 साल में सरकार द्वारा यह कहना कि अब वह वाहन सड़कों पर नहीं चलेगा, सिर्फ अन्याय नहीं, आर्थिक शोषण भी है। उन्होंने कहा कि आम आदमी के लिए गाड़ी सिर्फ एक साधन नहीं, उसकी रोज़ी-रोटी, जरूरत और बचत का हिस्सा होती है। इस प्रकार की नीति से मध्यम वर्ग, नौकरीपेशा, छोटे व्यापारी और किसान सबसे ज़्यादा प्रभावित होते हैं। यह तय करना जरूरी है कि गाड़ी से वास्तव में प्रदूषण हो भी रहा है या नहीं, केवल मॉडल वर्ष देखकर गाडियों को जब्त या प्रतिबंधित करना जनविरोधी और अमानवीय है।

यह नीति नागरिकों के संपत्ति अधिकार का उल्लंघन

एडवोकेट गुप्ता ने सवाल उठाया कि क्या सरकार ने कभी उन बड़ी फैक्ट्रियां और इंडस्ट्रीज पर ध्यान दिया है, जो दिन-रात धुआं छोड़ती हैं, केमिकल जलाती हैं और वायु को ज़हर बना रही हैं? वे खुलेआम प्रदूषण कर रही हैं, लेकिन सरकार की नजऱ आम आदमी की गाड़ी पर है। यह कैसी नीति है जिसमें प्रदूषण प्रमाणपत्र और फिटनेस प्रमाणपत्र के बावजूद भी गाड़ियों को बंद किया जा रहा है, जबकि उद्योगों को खुली छूट मिली हुई है? यदि प्रतिबंध, तो फिर मुआवज़ा भी अनिवार्य हो। एडवोकेट अंकित गुप्ता ने कहा कि यदि सरकार वाहन पर प्रतिबंध लगाना ही चाहती है, तो उसे गाड़ी मालिक को उचित मुआवज़ा या रिफंड देना होगा। क्योंकि यह नीति भारत के नागरिकों के संपत्ति अधिकार अनुच्छेद 300 और जीवन/आजीविका के अधिकार अनुच्छेद 21 के सीधा उल्लंघन है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने की संगमेश्वर धाम में पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली व वरिष्ठ भाजपा नेता जय भगवान शर्मा श्री संगमेश्वर धाम अरुणाय पहुंचे, जहां उन्होंने श्रावण माह को लेकर भगवान शिव के शिवलिंग पर श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों के मंत्राचारणों के बीच पूजा अर्चना की। पूजा के पश्चात उन्होंने उन्होंने महंत विश्वनाथ गिरी व थानापति धीरज पुरी का आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं सेवादल प्रबंधक भूषण गौतम ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि श्रावण मास का सनातन धर्म में विशेष महत्व दिया गया है और सनातनी लोग इसे अति पवित्र भी मानते हैं। इस माह में पावन धार्मिक स्थल से श्रद्धालु कांवड़ लेकर आते हैं और इस माह में हर तरफ बंब बंब भोले की गूंज सुनाई देती है और पूरा वातावरण भक्तिमय दिखाई देता है। श्री संगमेश्वर धाम अरुणाय पहुंचने पर उन्हें बहुत खुशी हुई और भगवान भोले के चरणों में पूजा करके मन प्रफुल्लित हो गया। अरुणाय धाम में पूजा अर्चना करने के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली सरस्वती तीर्थ पर माथा टेक जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रिंस मंगला के निवास एवम भाजपा मन की बात प्रमुख हन्नु चक्रपाणि के प्रतिष्ठान पर पहुचे, जहा पर कार्यकर्ताओं द्वारा बड़ोली का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिला परिषद चेयरमैन कंवलजीत कौर, नपा चेयरमैन आशीष चक्रपाणी, संगमेश्वर सेवादल प्रबंधक भूषण गौतम, मुख्यमंत्री के मीडिया कॉर्डिनेटर तुषार सैनी, पवन शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि सुरेंद्र ढींगरा, जिलाध्यक्ष तेजेंद्र गोल्डी,भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रिंस मंगला, अर्जुन त्यागी, बाबूराम रुआ, गुरनाम मलिक, लव तलवार, महामंत्री गुलशन शर्मा, बाखली मंडल अध्यक्ष सुखबीर सिंह इसाक, महामंत्री कृष्ण मोर, सतीश सैनी, महामंत्री साहिल सैनी, संजय ककराली, मोनू, सुशील गर्ग,अंकुर सिंगला सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

पीएम के खिलाफ टिप्पणी करने पर पंजाब के सीएम मांगें माफी

प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने कहा कि आप पार्टी से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बार बार विदेशी दौरों पर जो टिप्पणी की गई है,उसकी वह निंदा करते हैं। टिप्पणी से एक सौ चालीस करोड़ लोगों के दिलों को ठेस पहुंची है। यही हरकत कांग्रेस भी करती है। उन्होंने कहा कि माननीय नरेंद्र मोदी विदेशों में जाने वाले आम आदमी नहीं, बल्कि भारत देश के प्रधानमंत्री हैं जिनका दूसरे देशों ने सर्वोच्च सम्मान किया है और उनके विदेश जाने से भारत का सम्मान बढ़ा जो टिप्पणी मुख्यमंत्री भगवंत मान ने की है उसके लिए उन्हें एक सौ चालीस करोड़ लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

सड़क दुर्घटनाओं को लेकर एसपी ने ली बैठक

- एसपी ने डॉक्टर्स, हस्पताल प्रतिनिधि व एम्बुलेंस कर्मचारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने शनिवार को पुलिस लाइन कुरूक्षेत्र में डॉक्टर्स, हस्पताल प्रतिनिधि, एम्बुलेंस कर्मचारियों के साथ एक मीटिंग की। मीटिंग में पुलिस अधीक्षक ने सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को कैशलेस उपचार के सम्बन्ध में जरुरी दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि सरकार की सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को कैशलेस उपचार सुविधा दिलवाने में सबका सहयोग जरुरी है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करना हम सबकी जिम्मेवारी है, किसी भी जान का नुकसान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी दुर्घटना के मौका पर पहुँचने वाला पहली टीम एम्बुलेंस स्टाफ होता है इसलिए उनका प्रशिक्षित होना जरुरी है। एम्बुलेंस ड्राईवर और एम्बुलेंस पर तैनात सहायक स्टाफ को पीड़ित को लगी चोटों के हिसाब से पता होना चाहिए कि इस प्रकार की सुविधा किस हस्पताल में है। मीटिंग में एलएनजेपी हस्पताल के डिप्टी सीएमओ डॉ प्रदीप कुमार व स्वास्थ्य विभाग के नोडल ऑफिसर डॉ कृष्ण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मोटर वाहन अधिनियम 1968 की धारा 162 के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को नकद रहित इलाज दिया जाता है। इस योजना के तहत प्रति पीड़ित प्रति दुर्घटना अधिकतम सात दिनों के लिए 1.5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। बैठक में डीएसपी यातायात रोहतास कुमार, थाना यातायात शहर निरीक्षक राम करण, रोड सेफ्टी सैल प्रभारी उप निरीक्षक शेर सिंह, आदेश हस्पताल से डॉ गायत्री, एनआईसी से पूनम, विभिन्न हस्पतालों के प्रतिनिधि, एम्बुलेंस ड्राईवर तथा एम्बुलेंस स्टाफ मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र। बैठक को संबोधित करते पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल।

कुरुक्षेत्र। गतका किट भेंट करते हुए सुखविंद्र सिंह।

एसजीपीसी ने ब्राइट फ्यूचर इंटरनेशनल अकाल अकादमी को दी गतका किट

कुरुक्षेत्र। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर साहिब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रघुजीत सिंह विर्क द्वारा भेजी गई गतका किट आज सिख मिशन हरियाणा कुरुक्षेत्र के प्रभारी सुखविंदर सिंह ने ब्राइट फ्यूचर इंटरनेशनल अकाल अकादमी मांडी के प्रधानाचार्य एवं प्रबंधन कमेटी को सौंपी। विद्यालय के प्रधानाचार्य तनुज तलवार ने सहयोग के लिए एसजीपीसी का हार्दिक आभार व्यक्त किया।सुखविंदर सिंह ने बताया कि एसजीपीसी, हरियाणा राज्य के विभिन्न गुरुद्वारा साहिबान, संस्थाओं एवं सभा सोसायटियों को धार्मिक प्रचार-प्रसार हेतु बच्चों को गुरबाणी एवं सिख मार्शल आर्ट से जोडने में सदैव सहयोग करती हैं। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं गुरदेव सिंह सलपानी, जसबीर सिंह, शेर सिंह एवं बहादुर सिंह मौजूद रहे।

कार्यक्रम सूफी गायक विक्रम सिरोहीवाल ने अपनी आवाज का बिखेर जादू

समाजसेवी एवं प्रेरणा आश्रम के संस्थापक डॉ जयभगवान सिंगला बतौर मुख्यातिथि पहुंचे

कला कीर्ति भवन में जुस्तजू कार्यक्रम का सफल आयोजन, सूफी नगमों से सजी शाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

संगीत से ईश्वर की अनुभूति होती है। संगीत परमपिता को याद करने का सरल तथा सुगम माध्यम है। सूफी संगीत के माध्यम से ही व्यक्ति रूहानियत को प्राप्त कर सकता है। मधुर कण्ठ से जब सूफी गायकी के नगमे निकलते हैं तो मन स्वयं ही झूमना शुरु कर देता है, ऐसे में प्रदेश की नई व उम्दा प्रतिभाओं को मंच पर देख हरियाणा कला परिषद् का ध्येय सिद्ध होता नजर आ रहा है। ये कहना था डॉ. जयभगवान सिंगल का। वे हरियाणा कला परिषद् में आयोजित होने वाली साप्ताहिक संध्या में सूफी गायकी से सजे कार्यक्रम जुस्तजू के दौरान श्रोताओं को संबोधित कर रहे थे। मौका था सूफी कार्यक्रम का, जिसमें सूफी गायक विक्रम सिरोहीवाल ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा। मंच का संचालन विकास शर्मा ने किया। कार्यक्रम में समाजसेवी एवं प्रेरणा आश्रम के संस्थापक डॉ जयभगवान सिंगला बतौर मुख्यातिथि पहुंचे। हरियाणा कला परिषद के कार्यालय प्रभारी धर्मपाल गुगलानी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यातिथि का स्वागत किया।

कुरुक्षेत्र। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते सिरोहीवाल।

सभी कलाकारों को किया सम्मानित

इस मौके पर रमेश सुखीजा, शिव कुमार किरमच विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विक्रम सिरोहीवाल ने बिना माही कीवें दिल पर्चावां रातां दी मेरी नींद उड़ गई से पूरे माहौल को मस्त बना दिया। इसके बाद सूफी गायकी की ऐसी गंगा बही कि हर कोई श्रोता उसमें गोते लगाता नजर आया। प्यार विच दुख सुख सैहणा पैंदा ए, नित खैर मंगा सोणया मैं तेरी, दुआ ना कोई होर मंगदी, मैं नजर से पी रहा हूं, ये जो हल्का हल्का सुरुर है सब तेरी नजर का कसूर है जैसे बेहतरीन नगमों के द्वारा विक्रम सिरोहीवाल ने सभी का दिल जीता। श्रोताओं की फरमाईश पर भी सिरोहीवाल ने बहुत से बेहतरीन सूफी गीतों को सुनाया। कार्यक्रम में तबले पर शुभम, कीबोर्ड पर राजकमल, ड्रम पर मोहित ने साथ दिया तथा कोरस में राकेश सुरताल, गोवि, व गुरसिमरन ने संगत दी। कार्यक्रम के अंत में सभी कलाकारों को मुख्य अतिथि डा. जयभगवान सिंगला ने सम्मानित किया।

खबर संक्षेप

बराड़ा। कार्यक्रम में उपस्थित कॉलेज स्टाफ।

एसएमएस कॉलेज का प्रोस्पेक्ट किया जारी

बराड़ा। संत मोहन सिंह खालसा लबाना गर्ल्स कॉलेज में प्रॉस्पेक्ट का उद्घाटन किया गया। इस दौरान प्रोस्पेक्ट के महत्व को बताया गया है। प्राचार्य ने कहा कि यह एक ऐसा दस्तावेज होता हैं, जिसमें शिक्षण संस्थाओं की सूचनाओं का पूर्ण रूप ब्यौरा से होता है। उन्होंने बताया कि प्रोस्पेक्टस में कॉलेज में विभिन्न स्ट्रीम्स में कराए जाने वाले कॉर्स, महाविद्यालय के नियमों, सुविधाओं के साथ कॉलेज स्टाफ सदस्यों व कॉलेज से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध होती हैं। इससे दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को कॉलेज के नियमों व जानकारी का ज्ञान होता है।

पाक जाने के इच्छुक करें आवेदन

अंबाला। नगराधीश अभिषेक गर्ग ने बताया कि श्री गुरू नानक देव की जयंती पर पाकिस्तान जाने के इच्छुक श्रद्धालू 8 अगस्त तक उपायुक्त कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रति वर्ष श्री गुरू नानक देव की जयंती पर जो श्रद्धालू पाकिस्तान जाते हैं उन्हें गृह मंत्रालय से अनुमति लेनी होती है। 8 अगस्त के पश्चात कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। बता दें कि जिले से हर साल भारी संख्या में लोग आवेदन करते हैं।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी हरविंद्र सिंह उर्फ सौंटी को गिरफ्तार किया है। न्यू मिलापनगर के सुभाष नागपाल ने 5 जुलाई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 27 जून 2025 को आरोपी ने कोर्ट रोड पर स्थित दुकान से तेल की बाल्टी चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

एक्टिवा के आरोप में काबू

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी गुरविंद्र सिंह उर्फ शालू को गिरफ्तार किया है। सेक्टर 7 के दीपक ने 25 जून 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी ने श्री हरमिलाप क्लाथ हाऊस देव समाज कॉलेज से उसकी एक्टिवा चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

अवैध देसी कट्टा के साथ काबू

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज अवैध हथियार रखने के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी नबी हसन को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस इस मामले में मुख्य आरोपी को काबू कर चुकी है। 27 जून 2025 को गश्त के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी के पास अवैध हथियार है। वह किसी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकता है।

सिख संगत को बाबा बंदा सिंह बहादुर की वीरता से प्रेरणा लेने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

शहीदों की शहादत को नमन करते हुए गुरुद्वारा संत बाबा प्रेम सिंह साहिब में महान सिख योद्धा बाबा बंदा सिंह बहादुर के शहीदी दिवस पर एक विशाल कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एचएसजीएमसी एनआरआई विंग के चेयरमैन सरदार राजिंदर सिंह ने की। आयोजन बाबा बंदा सिंह बहादुर सेवा सोसायटी दोसड़का एवं हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एचएसजीएमसी) के सहयोग से करवाया गया।इस पावन अवसर पर धर्म प्रचार कमेटी द्वारा बुलाए गए महान रागी जत्थों ने कीर्तन के माध्यम से संगत को गुरबाणी से जोड़ा और माहौल को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। भारी संख्या में संगत ने एकत्र होकर कीर्तन का आनंद लिया। साथ ही बाबा बंदा सिंह बहादुर की वीरता और बलिदान को याद किया। कार्यक्रम के दौरान हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के धर्म प्रचार कमेटी चेयरमैन बलजीत सिंह दादूवाल ने कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर न सिर्फ एक योद्धा थे बल्कि एक महान धार्मिक नेता भी थे। जिन्होंने गुरु गोबिंद सिंह जी से प्रेरणा लेकर पंजाब में मुगलों के अत्याचारों के विरुद्ध संघर्ष किया और गरीबों को ज़मींदारी से आज़ादी दिलाई। उन्होंने देश में पहले स्वतंत्र सिख राज्य की स्थापना कर समाज में समानता और न्याय की नींव रखी। दादूवाल ने बाबा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह के आदेश पर दिल्ली से चलकर सरहिंद को जीतकर उस ज़ालिम सूबेदार वज़ीर खान को सजा दी जिसने गुरु साहिब के छोटे साहिबज़ादों को ज़िंदा दीवार में चिनवाया था। धार्मिक आयोजन में शेर सिंह अंबाला, गुरसेवक सिंह, सरबजीत सिंह जम्मू आदि रागी व कथावाचकों द्वारा कार्यक्रम ने न केवल सिख इतिहास की महानता को दोहराया बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ने का कार्य भी किया।उन्होंने सिख संगत को गुरुओं के बलिदान से प्रेरणा लेते हुए गुरुओं के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।इस अवसर पर एचएसजीएमसी एनआरआई विंग के सीनियर उप प्रधान गुरमीत सिंह मीता, मेंबर सवरन सिंह गूंगा टिब्बी, मेंबर गुरतेज सिंह, मेंबर जसबीर कौर, मेंबर करतार कौर, मेंबर जगतार सिंह, मेंबर गुरपाल सिंह गोरा, पूर्व न्यायाधीश नवाब सिंह होली, इंद्रजीत सिंह, सुदर्शन सिंह सहगल, सुखविंदर सिंह, मक्खन सिंह, हरजिंदर सिंह, सतपाल सिंह देहरा, हरपाल सिंह, प्रलाद सिंह, गुरचरण सिंह,भुपेंद्र सिंह, जगबीर राणा, रामबीर थंबड़ समेत स्थानीय संगत, धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। आयोजन के अंत में गुरुद्वारे साहिब में अरदास की गई और सभी को गुरु का लंगर छकाया गया।

सिख योद्धा बाबा बंदा सिंह बहादुर के शहीदी दिवस पर आयोजित हुआ विशाल कीर्तन दरबार

बराड़ा। कार्यक्रम में रागी जत्था कीर्तन करते हुए व मौजूद भारी संख्या में सिख संगत।

पूर्व मंत्री ने भी बनाई दूरी, जीत के चार महीने बाद मेयर को मिला ऑफिस

निगम में भाजपा दोफाड़, मेयर के ऑफिस उद्घाटन से सदस्य गायब

निगम सदस्यों की गैरहाजिरी पर मेयर बोली तय होनी चाहिए जवाबदेही, विज ने घर जाकर दी बधाई, निगम का कोई भी सदस्य मेयर शैलजा सचदेवा के प्रोग्राम में शामिल नहीं हुआ

अंबाला। नए ऑफिस में कुर्सी संभालती मेयर शैलजा सचदेवा।

- मेयर के कार्यालय को 4 माह बाद तैयार कराया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

नगर निगम में अब भाजपा दोफाड़ होती दिख रही है। ऐसे में अब आने वाले दिनों में मेयर शैलजा सचदेवा को एक बार फिर सदन में अपने ही सदस्यों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। असल में मेयर शैलजा सचदेवा ने बीते रोज अपने ऑफिस की विधिवत ओपनिंग की थी।

मगर भाजपा के ज्यादातर बड़े नेताओं ने कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी। हैरत की बात है कि निगम का कोई भी सदस्य मेयर शैलजा सचदेवा के प्रोग्राम में शामिल नहीं हुआ। ऐसे में अब सदन की मीटिंगों में मेयर को अपने ही सदस्यों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। मेयर को चुनाव जीतने के 4 महीने बाद शैलजा सचदेवा को अपना ऑफिस मिला है। दरअसल, अंबाला नगर निगम द्वारा अंबाला मेयर के कार्यालय को 4 माह बाद तैयार कराया गया।

इसके बाद वीरवार को इसका उद्घाटन किया गया। इस उद्घाटन समारोह में न तो पूर्व मंत्री असीम गोयल पहुंचे न ही निगम का कोई सदस्य उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुआ। यहां तक कि सीनियर डिप्टी मेयर मीना ढींगरा व डिप्टी मेयर राजेश मेहता भी कार्यक्रम से दूर रहे। निगम के ज्यादातर अधिकारियों ने भी कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी।

ऐसा साफ नजर आ रहा है कि भाजपा के ज्यादातर नेताओं व निगम सदस्यों ने कार्यक्रम से तय योजना के मुताबिक दूरी बनाई है।

ऐसा भी माना जा रहा है कि पार्टी के एक बड़े नेता के इशारे पर कार्यक्रम से दूरी बनाने का पूरा खेल हुआ है। हालांकि इस सवाल पर मेयर ने कहा कि उन्होंने सभी को कार्यक्रम का निमंत्रण दिया था लेकिन शायद निजी व्यस्तता के कारण निगम सदस्य नहीं आए ।

उन्होंने कहा कि भाजपा एक परिवार है। सभी परिवार के हिस्सा हैं। अगर कोई सदस्य नहीं पहुंचा तो इसमें जरूर कोई न कोई व्यस्तता ही रही होगी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई नहीं आया तो तो ये तो उनसे पूछा जाना चाहिए कि वो भाजपा के इतने बड़े कार्यक्रम में क्यों नहीं पहुंचे?

मंत्री घर आए, पूर्व मंत्री भी नहीं आए

समरोह में कैबिनेट मंत्री अनिल विज भी नहीं आए थे। बताया जा रहा है कि चंडीगढ़ में एक मीटिंग के सिलसिले में उन्हें जाना पड़ गया था। हालांकि शाम को वे मेयर शैलजा सचदेवा के घर पहुंचे। नए ऑफिस की शुभकामनाएं दी। दूसरी ओर से मेयर चुनाव में शैलजा सचदेवा की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व मंत्री असीम गोयल समारोह से दूर रहे। अभी तक उनकी ओर से कार्यक्रम से दूर रहने को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

टिकट कटने के डर से बनाई दूरी

नगर निगम के सदन में 20 वार्ड हैं। सदन में अभी कांग्रेस के पास तीन सदस्य हैं। जबकि 17 सदस्य भाजपा के हैं। बताया जा रहा है कि ज्यादातर सदस्यों को पहले ही एक आदेश के जरिए कार्यक्रम से दूरी बनाए जाने की बात कही थी। साफ कहा गया कि अगर आदेश के बावजूद कोई सदस्य कार्यक्रम में गया तो आने वाले निगम चुनाव में उसकी टिकट पर कैंची चलाई जाएगी। इसी डर की वजह से ज्यादातर सदस्य कार्यक्रम से दूर रहे।

अंबाला। कैबिनेट मंत्री अनिल विज के आवास पर जन समस्याएं लेकर पहुंचे लोग।

बिल भरने के बावजूद बिजली मीटर उतारने पर भड़के मंत्री

- कहा किसकी शह पर उतारा गया मीटर, मीटर उतारने वाले के खिलाफ की जाए ठोस कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने बिजली निगम के एसअई को बर्फखाना जमीन पर 85 सालों से रह रहे परिवार का मीटर उतारने पर कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि "सालों से यहां बिजली का मीटर लगा, कैसे घर से मीटर उतार लिया, जिसने मीटर उतारा पर कार्रवाई करो। उन्होंने कहा कि यदि वो डिफाल्टर है तो उस पर नियम अनुसार कार्रवाई करो। विज के समक्ष शनिवार को बर्फखाना जमीन पर 85 सालों से रह रहे मारसेलिनो नारनौहां के परिवार ने शिकायत दी थी। उन्होंने शिकायत में कहा था कि वह वर्षों से यहां रह रहे हैं। मगर कुछ दिन पहले बिजली निगम अधिकारियों ने उनका मीटर उतार लिया जबकि उन्होंने पूरा बिल भरा हुआ है। मंत्री ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसई को इस मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मीटर क्यों और किसने उतारा इसकी जांच की जाए तथा तुरंत मीटर लगाने के दिशा-निर्देश दिए।विज से उनके आवास पर पहुंचे मच्छौंडा के लोगों ने क्षेत्र में ट्रांसफार्मर व अन्य कार्य कराने पर उनका धन्यवाद किया। उन्होंने कहा मंत्री अनिल विज की बदौलत उन्हें बेहतर व निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल रही है।

इसी प्रकार एफसीआई गोदाम के निकट बाजीगर मोहल्ला के लोगों ने ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने की मांग रखी जिसपर मंत्री ने ट्रांसफार्मर का लोड बढ़ाने के दिशा-निर्देश बिजली अधिकारियों को दिए। उन्होंने बब्याल की रहने वाली हैंडबॉल खिलाड़ी तान्या को हैंडबॉल जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने पर आशीर्वाद दिया। उन्होंने खिलाड़ी को पदक पहनाते हुए भविष्य में और बढ़िया प्रदर्शन करने का आह्वान किया। खिलाड़ी का प्रोत्साहन स्वरूप अपने स्वैच्छिक कोष से 11 हजार रुपए प्रदान किए। इस अवसर पर कोच कुसुम व अन्य मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री ने अपने आवास पर जन समस्याओं को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के दिशा-निर्देश दिए। राजा पार्क के लोगों ने क्षेत्र में लगे ट्रांसफार्मर का स्थान बदलने की मांग करी जिस पर उन्होंने एसडीओ को कार्रवाई को कहा।

एफआरयू गाइडलाइन के तहत सीएचसी में गर्भवती महिला ने दिया तीसरे बच्चे को जन्म

- स्वास्थ्य केंद्रों में सरकार की ओर से किया जाएगा फर्स्ट रेफरल यूनिट का संचालन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। महिला मरीज के साथ खड़ा स्टाफ।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के निर्देशानुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के स्तर पर फर्स्ट रेफरल यूनिट का संचालन किया जाना है। इसी क्रम में जिला के सीएचसी मुलाना को एफआरयू हेतु नामांकित किया गया। एफआरयू की गाइडलाइन अनुसार सीएचसी में एक ऑपरेशन थिएटर की व्यवस्था की गई एवं सिजेरियन ऑपरेशन हेतु तीन विशेषज्ञों (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ,एनेस्थीसिया विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ) की टीम सुनियोजित की गई। सीएचीसी पर एफआरयू गाइडलाइन अनुसार पहला सिजेरियन ऑपरेशन किया गया। गर्भवती महिला का नाम एवं पता खातिजा है जिसकी उम्र 25 वर्ष है। उन्होंने अपने तीसरे बच्चे को जन्म दिया। ऑपरेशन उपरांत दोनों जच्चा एवं बच्चा पूर्णतः स्वस्थ है। सरकार द्वारा यह बहुत महत्वपूर्ण पहल की गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संपूर्ण गाइडलाइन का अनुसरण करते हुए इसे क्रियान्वित किया गया है ताकि जन जागरण तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाया जा सके व सरकार के आदेशों की अनुपालना की जा सके।

नेशनल लोक अदालत में 30 हजार केस निपटाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। लोक अदालत में केसों की सुनवाई करते न्यायिक अधिकारी।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुश्री कंचन माही की अध्यक्षता में शनिवार को जिला न्यायलय व सब डवीजन, नारायणगढ़ में नैशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। सीजेएम प्रवीण ने बताया कि लोक अदालत के मद्देनजर उपयुक्त इंतजाम किए गए थे। सभी लोगों ने अपने केस माननीय न्यायालय के सामने रखे। इस लोक अदालत में कुल 6 बेंच लगाए गए थे जिसमें सभी प्रकार के केस जिसमें खासकर के चेक संबंधित, पारिवारिक मसलों , आपराधिक किस्म , वाहन मोटर अधिनियम , चालान, फौजदारी, दीवानी किस्म के मुकदमें रखे गए। इस लोक अदालत में जिला व सब डवीजन नारायणगढ की 6 अदालतों में स्पेशल बेंच बनाकर लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 29829 मुकदमों का निपटारा हुआ। मुकदमों में रूपए 10038705 की धनराशि का निपटारा हुआ।

सीजेएम प्रवीण ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक रिकवरी के 798 केसों का निपटारा हुआ, अपराधिक किस्म के 2360 केसों का निपटारा हुआ, इलेक्ट्रिसिटी के 250 केसों का निपटारा हुआ, मोटर वाहन दुर्घटना के 33 केसों का निपटारा हुआ, वैवाहिक किस्म के 118 केसों का निपटारा हुआ, चेक बाउंस के 1074 केसों का निपटारा हुआ, अन्य दीवानी किस्म के 708 केसों का निपटारा हुआ, रेवेन्यू किस्म के 9195 केसों का निपटारा हुआ वा अन्य किस्म के 15293 केसों का निपटारा हुआ। मौका पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सौजन्य से राष्ट्रीय लोक अदालत में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें राकेश अग्रवाल पीएलवी ने अपनी सेवाएं देते हुए लोगों को विभिन्न ट्रैफिक रूल्स के बारे में जानकारी दी। सीजेएम प्रवीण ने लोगों से अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें। चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें।

लोक अदालत के मद्देनजर लोगों को एक जल्दी न्याय की उम्मीद थी जो कि लोगों को इस लोक अदालत के माध्यम से दिया गया। इस लोक अदालत में लोग काफी खुश नजर आए। उन्होंने ये आग्रह किया की लोक अदालत को हर महीने चलाया जाए ताकि न्यायालयों में पड़े मुकदमों का जल्दी से जल्दी निपटान किया जा सके।

मनोरंजन के साथ जीवन को सशक्त और अनुशासिक बनाता है खेल

- विधायक ने किया क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

अंबाला। क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ करते विधायक पूजा चौधरी।

विधायक पूजा चौधरी ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि जीवन को सशक्त, समृद्ध और अनुशासित बनाने का माध्यम है। यह न केवल शारीरिक और मानसिक विकास करता है बल्कि हमारे भीतर छिपी प्रतिभाओं को सामने लाकर उन्हें निखारने का भी कार्य करता है। विधायक एमपीएन कॉलेज में युवाओं द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि खेल मानव जीवन का अभिन्न अंग है। यह न केवल स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि समाज में एकता, सहयोग और सौहार्द की भावना को भी प्रबल करता है। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि खेल एक महान सामाजिक संगठन की भूमिका निभाता है। जहां टीम वर्क, नेतृत्व कौशल और रणनीतिक बुद्धिमत्ता का विकास होता है। उन्होंने कहा कि खेल के माध्यम से हमें नैतिकता, अनुशासन और संयम का पाठ पढ़ने को मिलता है। खेल नियमों का पालन करना सिखाता है और दूसरों के साथ सहयोग और सम्मान का भाव विकसित करता है।

एडवोकेट रोहित जैन ने खाद संकट को लेकर सरकार पर बोला हमला

किसानों को संरक्षण की बजाय संत्रास दे रही सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। मीडिया से बातचीत करते कांग्रेस नेता रोहित जैन व अन्य।

कांग्रेस नेता एवं हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष एडवोकेट रोहित जैन ने खाद संकट और फसल बीमा योजना को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह शासन अब किसानों को संरक्षण नहीं, संत्रास दे रहा है। जैन ने कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार ने पहले खेत से हरियाली छीनी, फिर खाद के लिए पर्ची, पुलिस और प्रतीक्षा की त्रासदी खड़ी की। किसान अब खेत में नहीं, थाने के साए में खाद की बोरी मांगता है। उन्होंने कहा कि यह विचित्र विरोधाभास है कि सरकार मंच से आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं की जयघोष करती है और जमीन पर प्राइवेट अस्पतालों से मरीजों को ठुकरा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि अब किसान के खेत में अन्न नहीं गुस्सा उगता है। खाद की कतार में खड़ा बेटा, बीमा क्लेम के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाता पिता, और एक खामोश सरकार जिसकी संवेदनाएं भी शायद आउटसोर्स पर दी गई हैं। फसल बीमा योजना अब किसान की सुरक्षा नहीं, बीमा कंपनियों की व्यापारिक स्कीम बन चुकी है। क्लेम मिलने के नाम पर कंपनियाँ मुनाफा गिनती हैं और अधिकारी कागज़ात में आंकड़े सजाते हैं। एक तरफ डीएपी की एक बोरी के लिए किसान लाइन में लग रहा है दूसरी तरफ सरकार उसकी पीठ पर आत्मनिर्भरता का भाषण चिपका रही है। उन्होंने कहा, "खाद अब पुलिस के पहरे में है और बीमा अब पॉलिसी नहीं प्रतीक्षा का पर्याय बन चुका है। उन्होंने कहा कि किसानों को बीमा क्लेम के नाम पर गांव इकाई मानकर ठगा जा रहा है। यदि एक किसान की फसल बरबाद हो गई लेकिन उसका गांव 'घोषित आपदा क्षेत्र' नहीं बना, तो उसे मुआवज़ा नहीं मिलता। उन्होंने आरोप लगाया कि कपास उत्पादक क्षेत्र में भिवानी और चरखी दादरी जिलों में तीन सौ करोड़ रुपए का बीमा क्लेम घोटाला हुआ जिसमें अब तक किसी अधिकारी पर कार्रवाई नहीं हुई। उलटे किसानों को ही झूठे दस्तावेजों में उलझा दिया गया। उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संवेदनहीन सत्ता का सुनियोजित अपराध है।

एआई अब केवल विशिष्ट ही नहीं लगभग हर क्षेत्र में अपनी पैठ बढ़ा रहा है। लेकिन इसके पॉजिटिव के बजाय मिसयूज होने की आशंका से पूरी दुनिया के लोग चिंतित हैं। यही वजह है कि एआई यूज करने को लेकर कुछ ग्लोबल रूल्स-रेग्यूलेशंस डिसाइड करने के उद्देश्य से जापान में सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य और चुनौतियों पर एक नजर।

अब जल्द डिसाइड होंगे एआई यूज करने के रूल्स

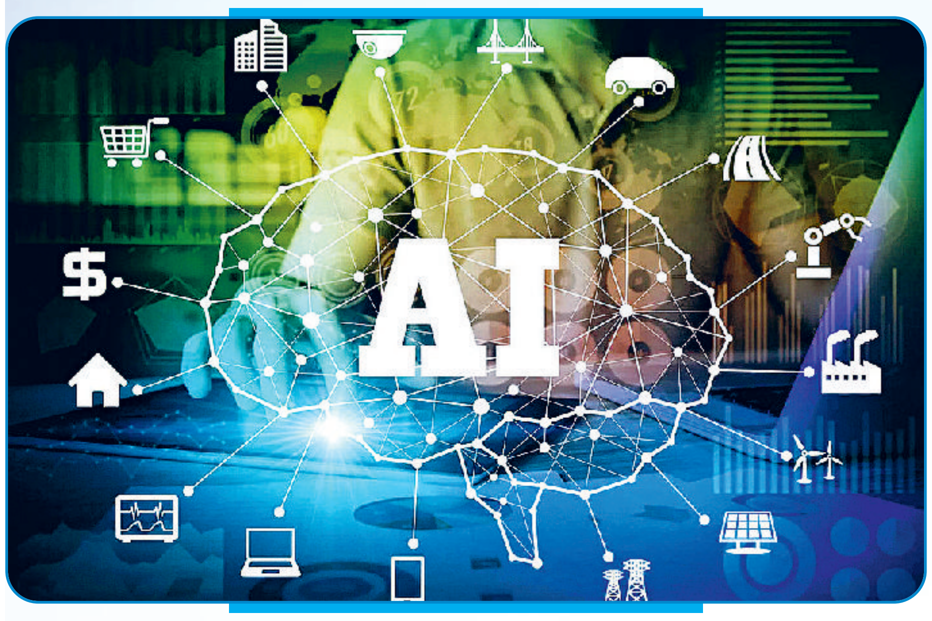

कवर स्टोरी

लोकमित्र गौतम

आगामी 27 से 29 जुलाई 2025 तक टोक्यो (जापान) में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को लेकर तीन दिवसीय सम्मेलन होने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इस सम्मेलन में मानव समाज के लिए एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय होगी।

पहले भी होते रहे हैं प्रयास

साल 2010 से ही पश्चिमी दुनिया में एआई के मानव जीवन में इस्तेमाल को लेकर जबर्दस्त नैतिक दुविधा का वातावरण रहा है। इसलिए

सन 2010 में दुनिया भर की सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संगठन और शोध संस्थान मानव केंद्रित एआई के इस्तेमाल के बीच सिद्धांतों की दिशा तय करने के लिए लगातार विचार और विमर्श की एक श्रंखला प्रसारित करते रहे हैं। साल 2010 से शुरू हुए इस व्यापक विचार-विमर्श ने 2021 में यूरोपीय आयोग के उस आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्ट का मसौदा प्रकाशित करने तक के सफर को पूरा किया, जहां से यह तय होना शुरू हुआ कि अंततः एआई को मानव समाज के लिए वर्गीकृत कर लिया जाए और इसकी सुरक्षा, पारदर्शिता तथा जवाबदेही को अलग-अलग दायित्वों के साथ जोड़ा जाए। अमेरिका में 2022 का एल्गोरिद्म जवाबदेही अधिनियम, फरवरी 2022 में कांग्रेस के दोनों सदनों में पेश किया गया था। इसके बाद जून 2022 में कनाडा ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा एक्ट का प्रस्ताव रखा, जिसमें उच्च प्रभाव वाली एआई प्रणालियों के बारे में जोखिम प्रबंधन और सूचना प्रकटीकरण अनिवार्य कर दिया गया। जापान ने 2023 के जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एआई के लिए मानव केंद्रित दृष्टिकोण पर चर्चा करने की उम्मीद की और अब अंततः जापान में ही आगामी जुलाई माह में तीन दिनों तक एआई को लेकर जो एक विशद सम्मेलन आयोजित हो रहा है, उसका उद्देश्य एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करना है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

वास्तव में यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई सिद्धांतों की समीक्षा करेगा- मसलन वैश्विक एआई नीति ढांचों में गहराई से विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि मानव गरिमा, विविधता, समावेश और पारदर्शिता मुख्य मुद्दे के रूप में गहन विचार-विमर्श के केंद्र में रहें। यूरोप, जापान, ओईसीडी तथा जी-7 जैसे संगठनों के बीच विचारों के आदान-प्रदान पर जोर होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एआई वैश्विक रूप से अनुकूल और एकीकृत दिशा ले सके। इस सम्मेलन में सिर्फ सिद्धांतों तक बात सीमित नहीं रहेगी बल्कि तकनीकी सुरक्षा पर भी फोकस होगा। तकनीकी जोखिम जैसे बायस, एलाइनमेंट, आउटपुट के स्पष्टीकरण इत्यादि की भी केंद्रीय चर्चा होगी। सबसे ज्यादा इस बात पर जोर दिया जाएगा कि इंसानी समाज के नजदीकी नैतिक मुद्दों के साथ-साथ भविष्य की चिंताओं जैसे मानव-समान बुद्धिमत्ता और चेतना जैसी जटिल स्थितियां भी विचार में रहेंगी। अगर यह कहा जाए कि अंततः यह सम्मेलन एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय करेगा या उस दिशा की ओर आगे बढ़ेगा, तो गलत नहीं होगा।

कुछ नियम होंगे निर्धारित

यह जरूरी नहीं है कि इस सम्मेलन के बाद एआई से संबंधित कोई वैश्विक नियम लागू हो ही जाए कि एआई का इस्तेमाल इस नियम के तहत किया जाएगा। हो सकता है अभी यहां तक बात न पहुंचे, लेकिन इस सम्मेलन से यह तय होगा कि एआई किन क्षेत्रों को प्रोत्साहित करेगी। मसलन

स्वास्थ्य, शिक्षा, सतत विकास, जैसे मानव हितैषी क्षेत्रों में एआई का किस तरह ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक इस्तेमाल करके मानव समाज को बेहतर बनाया जाए। इस सम्मेलन में यह भी तय होगा कि एआई का उपयोग हथियारों को घातक बनाने, इंसान की सूक्ष्म निगरानी करने या उसके विरुद्ध अमानवीय प्रयोगों में न किया जाए। इसके लिए सिर्फ रोक-टोक भर काफी नहीं होगी बल्कि स्पष्ट रूप से नियम बनाए जाएंगे और कड़े से कड़े नैतिक सवालों से उन्हें घेरा जाएगा।

एआई विकास की दिशा तय होगी

सवाल है आखिर किन मूल्यों के आधार पर भविष्य में एआई का विकास हो और उसके इस्तेमाल की दिशा तय हो? सुनिश्चित रूप से अभी तक इस सम्मेलन की जो विमर्शगत थीम तैयार हुई है, उसके मुताबिक इस सम्मेलन में एआई की पारदर्शिता, उसकी जवाबदेही, मानव गरिमा और अधिकारों का सम्मान तथा विविधता व समावेशिता के नियमों पर कड़ाई से एआई को खरा उतरना पड़ेगा। इस बात पर पूरी दुनिया के बीच एक निर्णायक समझ बनेगी। यह सम्मेलन एआई तकनीकी विकास की भी दिशा तय करेगा। मसलन, ऐसी तकनीक विकसित होगी, जिसका उद्देश्य मानव समाज के व्यापक हित में हो और जिसके विकास का निर्णय समझाया जा सके। इस सम्मेलन में बायस फ्री एआई यानी ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रति सहमति बनेगी, जिसमें पहले से कोई पूर्वग्रह न हो और हां, अंतिम रूप से यह तय किया जाएगा कि एआई का अंतिम नियंत्रण मनुष्य के हाथ में रहे, एआई के हाथ में मनुष्य का नियंत्रण न जाए। यह सम्मेलन विभिन्न देशों, विभिन्न टेक्नो कंपनियों और समाज के बीच क्या सही है, क्या गलत है, इस पर अंतिम रूप से अपनी निर्णायक सोच विकसित करेगा ताकि भविष्य में एआई का इस्तेमाल बेतरतीब न हो बल्कि यह नैतिक और जिम्मेदारी के नियंत्रण में रहे। कुल मिलाकर यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई विकास, वैश्विक नैतिक दिशा निर्देश, तकनीकी सुरक्षा और एआई को लेकर एक दीर्घकालिक समझ को विकसित करेगा। *

कई वजहों से महत्वपूर्ण होगा यह सम्मेलन

अगर कहा जाए कि होने वाला यह सम्मेलन मानव समाज के लिए अंततः एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करेगा, इसके लिए कानून भले न बनाए, लेकिन नीति, प्राथमिकता और नैतिक दिशा तय करेगा, तो गलत नहीं होगा। वास्तव में यह सम्मेलन इसीलिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि- इसमें नीति और नवाचार के बीच सेतु बनाया जाएगा। इस सम्मेलन में एआई को लेकर जारी वैश्विक दिशा में जापान की अपनी भागीदारी बढ़ेगी। तकनीकी संरक्षण और नैतिक शासन के दृष्टिकोण से जापान को भी केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए अवसर इस सम्मेलन के जरिए हासिल होगा। साथ ही इस सम्मेलन में स्वतंत्र अनुसंधानों और मल्टी स्टेकहोल्डरों की दृष्टि साझी होगी। मतलब यह कि यह सम्मेलन सिर्फ सरकार या तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि उद्योग जगत, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधि भी इस सम्मेलन के जरिए इसमें निर्णायक हस्तक्षेप करेंगे।

फ्यूचर प्लानिंग / शैलेंद्र सिंह

बहुत जल्द अंतरिक्ष में होगा इंडियन स्पेस स्टेशन

फिलहाल आईएसएस और चीन के स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में एक्टिव हैं। इनके अलावा जल्द ही भारत का अपना स्पेस स्टेशन भी स्पेस में पहुंच जाएगा। इसकी प्लानिंग और खासियतों पर एक नजर।

अब से दो वर्ष पहले 23 अगस्त 2023 को जब भारत, चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बना था, उसके पहले किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि भारत जैसा देश भी आने वाले एक दशक के भीतर स्पेस में अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की भी घोषणा कर सकता है। लेकिन जब हम चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने में सफल हुए, उसके बाद यह घोषणा की थी। अब किसी को इस बारे में आशंका नहीं रह गई है कि निकट भविष्य में भारत, अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना लेगा।

तीन साल बाद होगा लांच: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने साल 2028 तक भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन लांच करने का ऐलान किया है। उसके मुताबिक 2028 में लांच होने वाला मॉड्यूल एक रोबोटिक मॉड्यूल होगा यानी, एक ऐसा उपग्रह जहां हम डॉक कर सकते हैं, प्रयोग कर सकते हैं और वापस आ सकते हैं। लेकिन इंसान का अंतरिक्ष स्टेशन पर जाना साल 2035 के बाद ही संभव होगा।

कुछ ऐसा था पहला आईएसएस: अंतरिक्ष स्टेशन (एसएस) पृथ्वी की निचली कक्षा में एक मॉड्यूलर स्पेस स्टेशन या रहने योग्य कृत्रिम उपग्रह होता है। दुनिया का पहला अंतरिक्ष स्टेशन साल्युट 1 था, जिसे तत्कालीन सोवियत संघ (अब मुख्य तौर पर रूस) ने 19 अप्रैल 1971 को कजाकिस्तान के बायकोनूर कॉसमोड्रोम से लांच किया था। यह अंतरिक्ष स्टेशन करीब 20 टन वजनी और बेलनाकार था। इसकी लंबाई 12 मीटर और चौड़ाई 4.25 मीटर थी। सिंगल डॉकिंग पोर्ट वाला यह स्टेशन, तीन कार्यशील खंडों में विभाजित था। इसके भेजने का मुख्य मकसद लंबी अवधि की अंतरिक्ष यात्रा में इंसान के शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना और अंतरिक्ष से पृथ्वी की निरंतर तस्वीरें लेना था।

दुनिया का पहला एसएस साल्युट-1

अभी एक्टिव हैं दो एसएस: अभी तक पृथ्वी की निचली कक्षा में पूरी तरह से कार्यरत दो अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद हैं। पहला आईएसएस (अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन) और दूसरा चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन यानी टीएसएस। वर्तमान में जो कार्यरत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन है, उसे 20 नवंबर 1998 को लांच किया गया था। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के नेतृत्व में संचालित यह स्पेस स्टेशन एक बहुराष्ट्रीय सहयोग से संचालित परियोजना है। इसमें 5 देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां भागीदार हैं। अमेरिका की नासा (नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन), रूस की रोस्कोस्मोस, जापान की जेएएक्सए (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी), यूरोप की ईएसए (यूरोपीयन स्पेस एजेंसी) और कनाडा की सीएसए (कनाडियन स्पेस एजेंसी)। इस स्पेस स्टेशन में छह भाग हैं, जिसमें दो बाथरूम, एक जिम और एक 360 डिग्री का दृश्य दिखाने वाली खिड़की। नासा के मुताबिक इस अंतरिक्ष स्टेशन की माप करीब 109 मीटर है। इसे 1984 और 1993 के बीच डिजाइन किया गया था। साल 2000 से इस अंतरिक्ष स्टेशन में दुनिया के अलग-अलग देशों के एस्ट्रोनॉट्स ने रहना शुरू किया। ये अंतरिक्ष यात्री यहां रहकर दूसरे ग्रहों की स्टडी और विभिन्न तरह के दूसरे प्रयोग करते हैं। मौजूदा आईएसएस धरती से करीब 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर रहकर पृथ्वी के चक्कर काटता है। इसकी रफ्तार 28 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा है, जिससे यह महज 90 मिनट में धरती का एक चक्कर पूरा कर लेता है।

आईएसएस के अलावा अंतरिक्ष में जो दूसरा अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद है, वह चीन का तियांगोंग है। यह एक स्थाई अंतरिक्ष स्टेशन है, जिसकी लंबाई 55 मीटर या 180 फीट है। इसमें तीन मॉड्यूल हैं, जिसमें एक कोर मॉड्यूल है, जहां छह अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। इसके अलावा चीन के इस अंतरिक्ष स्टेशन में 3,884 क्यूबिक फुट या 110 क्यूबिक मीटर के दो मॉड्यूल हैं। चीन का अंतरिक्ष स्टेशन, नासा के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से छोटा है। यह पृथ्वी से 450 किमी तक कक्षीय ऊंचाई पर काम करता है।

ऐसा होगा इंडियन स्पेस स्टेशन: इसरो ने अपनी इस महत्वाकांक्षा का खुलासा साल 2019 में ही कर दिया था और तब ही ऐलान भी किया था कि अगले 20 से 25 सालों में भारत का अंतरिक्ष में अपना बेस होगा। कहने का मतलब यह कि अंतरिक्ष स्टेशन इसरो के फ्यूचर प्लान में काफी पहले से शामिल रहा है। इसरो के मुताबिक प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल का वजन 8 टन होगा, जिसका वजन बाद में 20 टन का भी हो सकता है। इसमें एक साथ 4 से 5 एस्ट्रोनॉट्स रह सकेंगे और इसे पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा में रखा जाएगा, जिसे एलईओ (लोअर अर्थ ऑर्बिट) कहते हैं और यह धरती से 400 किलोमीटर दूर स्थित है। भारत अपने गगनयान मिशन को भी पृथ्वी के लोअर आर्बिट में ही भेजने वाला है, वहीं पर इसरो का अपना स्पेस सेंटर भी स्थापित होगा। भारत सरकार ने इसके लिए जरूरी फंड कई साल पहले जारी कर दिया था। *

गजल

अवतार सिंह अक्षरजीवी

सच बोलने वाले

सच बोलने के खतरे बहुत हैं
सच बोलने वाले मरते बहुत हैं
सब जानते हैं फिर भी सच
कहते हैं कम, डरते बहुत हैं
न देखा न सुना जाता है ये
हौव्वा है इससे छुपते बहुत हैं
गिर गया तो उठाता नहीं कोई
सच से लोग हिचकिचाते बहुत हैं
ठहाकों में कमी छुपाते हैं लोग
सच कहने वाले पे हंसते बहुत हैं
सच बोलने वाले गिनती के हैं बस
झूठ पर जीने वाले मिलते बहुत हैं

लघुकथा / गीता सिंह

बांझिन का घर

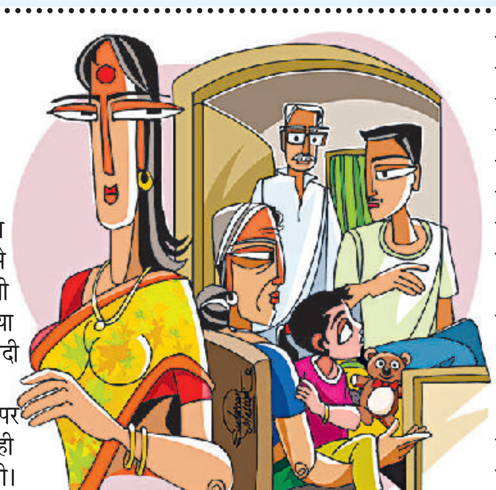

सुजाता अपने सास-ससुर के लिए चाय-नाश्ता बना रही थी, जो बस थोड़ी देर पहले ही आरा से पटना आए थे। सुजाता के सास-ससुर अपनी पोती से मिलने के लिए अकसर आरा से पटना आ जाया करते थे। बेटे की शादी के काफी सालों बाद उन्हें दादा-दादी बनने का सौभाग्य जो प्राप्त हुआ था।

रविवार की छुट्टी थी। सुजाता का पति समीर आज घर पर ही था। वह सोफे पर बैठा हुआ टीवी देख रहा था। पास ही तीन साल की बेटी बिट्टो भी अपने खिलौनों से खेल रही थी। बीच-बीच में वह अपने पापा से टीवी पर कार्टून चैनल लगाने की जिद्द भी करती, लेकिन समीर बिट्टो को झिड़क देता। बच्ची डरकर शांत बैठ जाती या रोते हुए अपनी मम्मी के पास पापा की शिकायत लेकर पहुंच जाती। सुजाता, बेटी को कभी प्यार तो कभी गुस्से से समझाकर वापस खेलने के लिए भेज देती।

तभी सुजाता ने समीर को आवाज लगाई, 'चाय-नाश्ता तैयार हो गया है। टीवी बंद कर मम्मी-पापा के कमरे में चले जाइए। आप भी वहीं बैठकर उनके साथ नाश्ता कर लीजिए।'

समीर अनमने मन से टीवी बंद करके दूसरे कमरे में मम्मी-पापा के पास चला गया। कमरे में घुसते ही वहां का हाल देखकर झल्लाते हुए बोला, 'बिट्टो तो घर में कोई सामान जगह पर नहीं रहने देती। सब सामान इधर-उधर फैलाती रहती है। बेड का हाल तो देखो जरा, कितनी बुरी हालत हो रही है। उफ्फ! बेडशीट पर इतनी सिलवटें हैं, कितनी गंदी हो गई है। कभी घर साफ ही नहीं रहता।'

इस बात पर सुजाता कुछ बोलती, उससे पहले उसकी सासू मां बोल पड़ीं, 'अरे, बच्चे वाला घर है, किसी बांझ-बांझिन का घर थोड़ी न है, जो हरदम साफ रहेगा।' उन्होंने ऐसा बोलकर अपने बेटे को तो शांत कर दिया, किंतु सुजाता के भीतर घोर अशांति फैला दी। उसका मन अशांत होता भी क्यों नहीं? आखिर सुजाता के मन-मस्तिष्क पर जमे कुछ शब्दों के अर्थ आज सामने जो थे।

बरसों से करीने से सजे साफ-सुथरे घर रखने पर तब जो तारीफ सुजाता को दूसरों से मिला करती थी, सासू मां मौजूद होने पर थोड़ा मुस्कुराते हुए हमेशा यही बात बोला करती थीं, 'घर तो साफ रहेगा ही...।'

सासू मां इतना बोलकर चुप हो जाती थीं। सुजाता को तब लगता कि शायद सासू मां उसकी तारीफ में ऐसा बोला करती हैं। ...लेकिन आज उन्होंने पूरी बात बोलकर, उन शब्दों के अर्थ अनजाने में ही सुजाता के सामने प्रकट कर दिए थे- 'घर तो साफ रहेगा ही... बांझिन का घर जो ठहरा...' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

आत्मीय ऊष्मा से भीगे संस्मरण

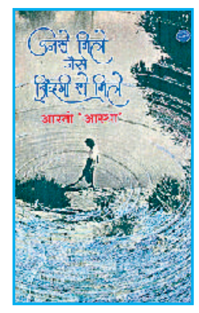

कवियित्री और कथाकार आरती 'आस्था' के द्वारा लिखे गए दस संस्मरणों की किताब 'उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले' हाल में छपकर आई है। इनमें एक तरफ जहां उनके निजी जीवन की छवियां उजागर होती हैं, वहीं आज के संवेदनहीन होते जा रहे समय में भावनात्मक संबंधों की अत्यंत सघन अनुभूतियां, मन को आश्वस्त करती हैं कि अब भी दुनिया में बहुत कुछ सुंदर और संजोने लायक बचा हुआ है। इनमें राजेंद्र राव, ओम निश्चल, कृष्ण बिहारी, विनोद श्रीवास्तव, पंकज चतुर्वेदी और आशीष शुक्ला जैसे साहित्यकारों के सान्निध्य में अर्जित अनुभूतियों को लेखिका ने मार्मिकता के साथ शब्दों में पिरोया है। इनके अलावा कुछ ऐसे स्नेही स्वजनों के प्रति भी उन्होंने शाब्दिक कृतज्ञता अर्पित की है, जिन्होंने जीवन के कठिन समय में उन्हें संबल दिया। शिल्पगत कृत्रिमता से मुक्त, सहज भाषा में लिखे गए ये संस्मरण मन में ठहर जाते हैं। वास्तव में ईमानदारी और सहजता ही इन संस्मरणों का सौंदर्य है, जो पारंपरिक संस्मरण विधा की बनी-बनाई परिधि से इतर इन संस्मरणों को अलग पहचान प्रदान करता है। प्रख्यात साहित्यकार यश मालवीय ने पुस्तक की भूमिका में उचित ही लिखा है, 'पृष्ठ-पृष्ठ पर जैसे यादों का लोहबान जल रहा है। आत्मीय ऊष्मा से नहा गया है मन।' *

पुस्तक: उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले, **लेखिका:** आरती 'आस्था', **मूल्य:** 180 रुपए, **प्रकाशक:** सर्व भाषा ट्रस्ट, दिल्ली

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

Advt...

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 www.nonsurgicalspinecentre.in

तीर्थयात्रा
डॉ. शिबन कृष्ण रैणा

हर वर्ष सावन माह में बाबा अमरनाथ धाम में प्राकृतिक रूप से निर्मित होने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए देश भर से हजारों-लाखों श्रद्धालु अमरनाथ तीर्थयात्रा करते हैं। अत्यंत दुर्गम होने के बावजूद धार्मिक आस्था और पुण्य अर्जित करने की कामना से भक्तगण इस यात्रा में भरपूर उत्साह से सम्मिलित होते हैं। इस यात्रा की विशिष्टता और महत्ता के बारे में जानिए।

आध्यात्मिक आनंद-अक्षय पुण्य प्रदान करती है अमरनाथ यात्रा

भारत वर्ष तीर्थों की पवित्र भूमि है। इस धरा पर ऐसा कोई प्रांत नहीं, जहां तीर्थस्थल न हों। ये तीर्थस्थल दीर्घकाल से आस्था एवं विश्वास के प्रमुख केंद्र रहे हैं। सनातन धर्मावलंबियों के लिए कश्मीर प्रांत में स्थित अमरनाथ नामक तीर्थस्थल का विशेष महत्व है। कल्हण की 'राजतरंगिणी' में इस तीर्थ को 'अमरेश्वर' कहा गया है। अमरनाथ हिंदी के दो शब्द 'अमर' अर्थात 'अनश्वर' और 'नाथ' अर्थात 'भगवान' को जोड़कर बनता है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों- सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ॐकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, काशी विश्वनाथ, वैद्यनाथ, त्र्यंबकेश्वर, रामेश्वरम, नागेश्वर और घृष्णेश्वर के अतिरिक्त अमरनाथ का भी विशेष महत्व है। शिव के प्रमुख स्थलों में अमरनाथ अन्यतम है। इसीलिए अमरनाथ को तीर्थों का तीर्थ कहा जाता है। मृत्यु को जीतने वाले मृत्युंजय शिव अमर हैं, इसीलिए अमरेश्वर भी कहलाते हैं। श्रद्धालु अमरेश्वर को ही बाबा अमरनाथ और बर्फानी-बाबा भी कहते हैं। अमरनाथ तीर्थस्थल जम्मू-कश्मीर राज्य के श्रीनगर शहर के उत्तर-पूर्व में 141 किलोमीटर दूर समुद्र तल से 3,888 मीटर (12756 फुट) की ऊंचाई पर स्थित है। इस गुफा की लंबाई (भीतर की ओर गहराई) 19 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है। 40 मीटर ऊंची अमरनाथ गुफा में पानी की बूंदों के जम जाने की वजह से ठोस बर्फ का एक अप्रतिम-दैवीय शिवलिंग निर्मित होता है।

पौराणिक मान्यता: एक पौराणिक गाथा के अनुसार भगवान शिव ने पार्वती को अमरत्व का रहस्य (जीवन और मृत्यु के रहस्य) बताने के लिए इसी गुफा को चुना था। कथा के अनुसार जब देवी पार्वती ने भगवान शिव से अमरत्व के रहस्य को प्रकट करने के लिए कहा, तब यह रहस्य बताने के लिए भगवान शिव, पार्वती को हिमालय की इस गुफा में ले गए, ताकि उनका यह रहस्य कोई भी न सुन पाए और यहीं पर भगवान शिव ने देवी पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था।

पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता: इतिहासकारों का मानना है कि अमरनाथ यात्रा, हजारों वर्षों से चली आ रही है। अमरनाथ-दर्शन का महत्त्व पुराणों में भी मिलता है। बृंगेश संहिता, नीलमत पुराण, कल्हण की राजतरंगिणी आदि में इस तीर्थ का उल्लेख मिलता है। नीलमत पुराण में अमरेश्वर के बारे में दिए गए उल्लेख से पता चलता है कि इस तीर्थ के बारे में छठी-सातवीं शताब्दी में भी लोगों को जानकारी थी। स्वामी विवेकानंद ने 1898 में जब अमरनाथ गुफा की यात्रा की तो भावविभोर होकर कहा था, 'मुझे सचमुच लगा कि स्वयं शिव के दर्शन हो गए हैं। मैंने ऐसी सुंदर प्रतिमा कभी नहीं देखी और न ही किसी धार्मिक-स्थल की यात्रा का इतना आनंद आया।'

यात्रा के हैं दो मार्ग: अमरनाथ की गुफा तक पहुंचने के लिए सामान्यतः दो मार्ग हैं। प्रथम पहलगाम मार्ग और दूसरा सोनमर्ग-बालतल मार्ग। पहलगाम मार्ग अपेक्षाकृत सुविधाजनक है, जबकि बालतल मार्ग हालांकि अमरनाथ की गुफा से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन यह मार्ग अत्यंत दुर्गम है। सामान्यतः यात्री पहलगाम मार्ग से ही अमरनाथ यात्रा करते हैं। पहलगाम से अमरनाथ की दूरी 45 किलोमीटर है। इस यात्रा मार्ग में चंदनबाड़ी, शेषनाग तथा पंचतरणी तीन प्रमुख रात्रि पड़ाव हैं। प्रथम पड़ाव चंदनबाड़ी है, जो पहलगाम से 12.8 किलोमीटर की दूरी पर है। तीर्थयात्री पहली रात यहीं पर बिताते हैं। दूसरे दिन पिस्सू घाटी की चढ़ाई प्रारंभ होती है। चंदनबाड़ी से 13 किलोमीटर दूर शेषनाग में अगला पड़ाव होता है। यह चढ़ाई अत्यंत दुर्गम है। यहीं पर पिस्सू घाटी के दर्शन होते हैं। पूरी यात्रा में पिस्सू घाटी का मार्ग बहुत कठिन है। पिस्सू घाटी समुद्र तल से 11,120 फुट की ऊंचाई पर है। इसके पश्चात यात्री शेषनाग पहुंचते हैं। लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबाई में फैली हुई झील अत्यंत सुंदर है। तीर्थयात्री रात्रि में यहीं विश्राम करते हैं। तीसरे दिन यात्रा पुनः आरंभ होती है। इस यात्रा मार्ग में महागुणास दर्रे को पार करना पड़ता है। महागुणास से पंचतरणी का पूरा रास्ता ढलान-युक्त है। छोटी-छोटी पांच नदियों के बहने के कारण यह स्थान पंचतरणी नाम से प्रसिद्ध हुआ है। पंचतरणी से अमरनाथ की पवित्र गुफा 6 किलोमीटर की दूरी पर है। गुफा के समीप पहुंच कर पड़ाव डाल दिया जाता है तथा प्रातःकाल पूजन इत्यादि के पश्चात शिव के हिमलिंग के दर्शनोपरांत भक्तजन पुण्य लाभ के भागीदार बनते हैं।

प्राप्त होता है पुण्य लाभ: प्रतिवर्ष संपन्न होने वाली इस पुण्यदायिनी यात्रा से अनेक पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि अमरनाथ दर्शन और पूजन से महापुण्य प्राप्त होता है। शास्त्रों में इंद्रिय निग्रह पर विशेष बल दिया गया है, जिससे मुक्ति की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में वर्णित है कि अमरनाथ यात्रा 'निग्रह' के बिना ही मुक्ति प्रदान करने वाली है, क्योंकि यात्राक्रम में आने वाली कठिनाइयों और गंतव्य-स्थल पर पहुंच कर होने वाले अनेकविध अनुभवों के कारण तीर्थयात्री को विविध प्रकार के सांसारिक कष्टों का बोध होता है। साथ ही शिव के हिमलिंग रूप के दर्शन से उसका हृदय इतना संयमित हो जाता है कि इंद्रिय-निग्रह किए बिना ही उसे मुक्ति प्राप्त होती है। भोलेनाथ भक्तों के समस्त भव रोगों और दुःखों का समूल नाश करते हैं।

श्रद्धा-सौहार्द भरी यात्रा: श्रावण मास में पवित्र हिमलिंग के दर्शनार्थ लाखों लोग भिन्न-भिन्न प्रदेशों से यहां आते हैं। अमरनाथ यात्रा से संबंधित एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यावहारिक तथ्य यह है कि यह यात्रा पारस्परिक सद्भाव के प्रचार-प्रसार का कार्य भी करती है। विभिन्न प्रांतों से शिव के दर्शनार्थ आने वाले भक्तों में परस्पर समभाव की भावना विकसित होती है। विभिन्न भाषा-भाषी लोगों में परस्पर वार्तालाप होता है, भाईचारे की भावना का विकास होता है और विभिन्न प्रांतों की भौगोलिक जानकारी का आदान-प्रदान होता है। अतः अमरनाथ तीर्थयात्रा को तीर्थाटन के अतिरिक्त श्रद्धा, ज्ञान एवं सौहार्द के समुच्चय के रूप में भी जाना जाता है। *

अगर आप चाहते हैं कि लोग आपकी पर्सनालिटी से इंप्रेस हो, हर कोई आपसे जुड़ना चाहे, आपकी हेल्प करने को तैयार रहे, तो इसके लिए आपको खुद में कुछ क्वालिटीज को डेवलप करना होगा। इस बारे में जानिए।

पर्सनालिटी बनेगी मैग्नेटिक डेवलप करें ये क्वालिटीज

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

मनीष का सोशल सर्कल देखकर उसके कुछ रिश्तेदारों को बड़ी हैरानी हुई। उसकी बेटी की शादी थी तो उसकी पूरी सोसाइटी और ऑफिस के लोग उसकी मदद के लिए ऐसे तत्पर थे, मानो वह कोई बहुत बड़ी हस्ती हो। किसी को कहने भर की देर थी काम चुटकियों में हो रहा था। कुछ रिश्तेदारों को उसके इस रुतबे से बेहद खुशी हुई, तो कुछ को ईर्ष्या भी महसूस हुई। उसके चचेरे भाई ने जरूर उसकी पीठ ठोकते हुए कहा, 'भाई तूने अपनी अच्छी रेपुटेशन बना रखी है। बिल्कुल चुंबक है, चुंबक।' ऐसी चुंबकीय पर्सनालिटी का स्वामी बनना बहुत कठिन बात नहीं है। इसके लिए आपको बस कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

दूसरों को स्पेशल फील कराएं: हर व्यक्ति स्वयं को महत्वपूर्ण मानता है और चाहता है कि दूसरे भी उसे मान सम्मान दें। यह स्वभाव सामान्य से लेकर अति विशिष्ट तक हर व्यक्ति का होता है। सब चाहते हैं कि उसकी सराहना की जाए और वह ऐसे ही व्यक्ति को पसंद करते हैं, जो उन्हें ऐसा महत्व देता है। इसलिए मानव व्यवहार की इस मूलभूत इच्छा को समझें और लोगों के साथ ऐसा ही आचरण करें। जाहिर है, वे भी आपके साथ ऐसा ही व्यवहार करेंगे।

सोशल नेटवर्क बढ़ाएं: हमारे जीवन में सामाजिक संबंधों का होना बेहद जरूरी है। ये प्रोफेशनल ही नहीं, पर्सनल लाइफ में भी बहुत सपोर्ट करते हैं। लोगों से मेल-जोल बढ़ाएं। उनके साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करें। महत्वपूर्ण अवसरों पर उन्हें निमंत्रण और उपहार दें। किसी के निमंत्रण पर वहां जरूर जाएं। अगर कोई मुसीबत में है और उसे आपकी जरूरत है तो उसकी यथासंभव मदद करें। आपका मृदु व्यवहार और मिलनसार स्वभाव न सिर्फ आपका सामाजिक दायरा बढ़ाता है, यह आपको उन ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद कर सकता है, जिनकी आप कामना करते हैं।

आभार और बधाई देना सीखें: सहयोग या मदद के बदले आभार प्रकट करने वाले और किसी की उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं देने में आगे रहने वाले लोगों को हर कोई पसंद करता है। लेकिन ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते। आप अगर इन दोनों गुणों को अपना लेते हैं तो लोग आपको जरूर पसंद करेंगे, आपको इंपॉर्टेंस देंगे।

उम्मीदें ना करें: लोगों से उम्मीदें रखने से अकसर निराशा हाथ लगती है। जब आपकी उम्मीदें पूरी नहीं होतीं, तो आप उनके प्रति बुरा सोचने लगते हैं। हर क्रिया की प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक ही है। फिर दूसरे भी आपसे दूर रहने लगते हैं। जीवन में व्यावहारिक बनें और सरल सोचें। अगर आपने किसी की मदद की है, तो वह आपका स्वभाव है और आपको सुविधा थी तो आपने वैसा किया। इस भाव से मदद करने और संपर्क रखने पर जादुई असर होता है। लोगों के एक बड़े समूह के बीच आप लोकप्रिय होने लगते हैं।

शब्दों का चयन सावधानी से करें: आप लोगों से अपनी बातचीत के माध्यम से जुड़ते हैं। उन्हें प्रभावित भी संवाद से ही किया जा सकता है। आप बोलते वक्त कैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, आपकी टोन कैसी है, बॉडी लैंग्वेज कैसी है आदि बातें बहुत मायने रखती हैं। दूसरों की बात गौर से सुनें, आई कॉन्टेक्ट रखें। कोई अपनी बात कह रहा है तो बीच में अपनी गाथा ना सुनाएं। अनचाही सलाह देने से बचें और तेज आवाज में बात न करें। कम्युनिकेशन स्किल जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित करती है, चाहे वह रिश्ते बनाना हो या कारोबार बढ़ाना हो। बेहतर कम्युनिकेशन स्किल से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली होने लगेगा। लोग आपसे जुड़ते चले जाएंगे। *

उपयोगी पेड़
वीना गौतम

अच्छी सेहत के साथ अच्छी आमदनी भी कराए अनार

पौष्टिकता और औषधीय गुणों से भरपूर अनार का वैज्ञानिक नाम 'पुनिका ग्रैनटम' है। यह 'लिथरेसी' परिवार का पेड़ है। हाल के सालों में अनार एक महत्वपूर्ण नकदी फसल के रूप में उभर कर सामने आया है। अनार मध्यम आकार का झाड़ीनुमा वृक्ष होता है, जो आमतौर पर 6 से 8 फुट ऊंचा होता है, लेकिन व्यवस्थित तरीके से देखरेख करने पर इसके पेड़ 10 से 15 फीट तक भी ऊंचे हो सकते हैं। इसका फल गोलाकार, कठोर परत वाला होता है। इस कठोर परत के नीचे लाल रंग के रसदार दाने भरे होते हैं।

सदियों पुराना पेड़: अनार मूलतः ईरान और उत्तरी भारत का देशज पेड़ माना जाता है। भारत में अनार का पेड़ प्राचीनकाल से मौजूद रहा है। हमारे प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी अनार के औषधीय गुणों का उल्लेख मिलता है। प्राचीनकाल में अनार राजा-महाराजाओं के लिए ही उपलब्ध था, यह उनके भोजन और फलाहार का हिस्सा हुआ करता था।

अनार की विभिन्न किस्में: भारत में अनार की पाई जाने वाली सबसे लोकप्रिय किस्म 'भगवा' है। इस किस्म के फल बड़े और दाने चमकदार लाल रंग के होते हैं। निर्यात के लिए यह उपयुक्त किस्म मानी जाती है। भगवा के अलावा कंधारी, गणेश, अर्का मृदुला, अर्का रक्षक, ज्योति, रूबी नाम की किस्में पाई जाती हैं। हर किस्म की कुछ न कुछ खासियत होती है।

भारत में खेती: पहले अनार का पेड़ आमतौर पर हिमालयी क्षेत्रों और दक्कन के पठार में ही पाया जाता था। मगर आजकल देश के ज्यादातर हिस्सों में इसकी अलग-अलग किस्में उगाई जाती हैं। भारत में व्यावसायिक दृष्टि से अनार का सर्वाधिक उत्पादन महाराष्ट्र में होता है। महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, मध्य प्रदेश और पंजाब के कई क्षेत्रों में भी अनार की खेती की जाती है। अनार की खेती के लिए उपयुक्त दशाओं की बात करें तो इसके लिए लिए कम वर्षा, हल्की दोमट मिट्टी और 5.5 से 7.5 पीएच की भूमि सबसे उपयुक्त होती है।

किसानों के लिए फायदेमंद: एक एकड़ जमीन में करीब 400 से 500 अनार के पेड़ लग जाते हैं और हर पेड़ से कम से कम 10 से 12 किलो अनार का उत्पादन होता है। प्रति एकड़ 4000 से 6000 किलोग्राम तक अनार का उत्पादन हो सकता है। इसमें 60 हजार से 1 लाख रुपए के बीच लागत आती है। अगर इसका बाजार भाव 80 रुपए भी मिल जाए तो किसान को हर साल 3 से 4 लाख रुपए की आमदनी हो सकती है। *

टेक्नो-बिहेवियर
मेघा राठी

लगभग सभी सोशल मीडिया यूजर्स इमोजी का यूज करते ही हैं। लेकिन इसका यूज करते समय कुछ एटिकेट्स का ध्यान रखना जरूरी है। इमोजी डे (17 जुलाई) के अवसर पर जानिए इनके बारे में।

जब यूज करें इमोजी ना भूलें एटिकेट्स

इन दिनों सोशल मीडिया पर चैटिंग करने के दौरान या मैसेज भेजते समय इमोजी का यूज करना एक ट्रेंड बन गया है। लेकिन इमोजी भेजते समय लापरवाही बरतना आपकी इमेज बिगाड़ सकता है, आपको नॉनसिरीयस साबित कर सकता है। इसलिए जरूरी है कि शब्दों की तरह ही इमोजी का भी यूज सोच-समझकर करें।

डिजिटल युग में कम्युनिकेशन: वर्तमान डिजिटल युग में संवाद का स्वरूप तेजी से बदला है। सोशल मीडिया पर लेख, पोस्ट, सूचनाएं या अनुभव कुछ भी पढ़कर शीघ्रता से प्रतिक्रिया के रूप में 'लाइक', 'डिसलाइक' या किसी अन्य प्रतीक के रूप में इमोजी भेज दिया जाता है। इनमें सबसे अधिक प्रयोग होने वाला चिन्ह है- दिल। यह प्रतीक जो मूलतः प्रेम, आत्मीयता या गहरे भावनात्मक जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है लेकिन अब रिएक्शन का सबसे सरल प्रतीक बन गया है। चाहे विषय गंभीर हो, आध्यात्मिक हो, संघर्षपूर्ण जीवन अनुभव हो या सामाजिक समस्या-सब पर एक समान प्रतिक्रिया के रूप में यह चिन्ह लगा दिया जाता है।

प्रतीकों का भी होता है संदर्भ: वास्तव में, 'दिल' तब उपयुक्त प्रतीक होता है, जब विषय आत्मीय हो- जैसे मित्रता, स्नेह, समर्थन या व्यक्तिगत अनुभवों में सहानुभूति। लेकिन जब विषय दार्शनिक, वैचारिक या तर्कसंगत हो या जब वह शोक, पीड़ा या सामाजिक असमानता से जुड़ा हो, तब ऐसे प्रतीकों से प्रतिक्रिया देना विषय की गंभीरता को हल्का बना देता है। यह न केवल लेखक के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि भेजने वाले की समझ पर भी प्रश्न उठाता है।

हर जगह इमोजी भेजना उचित नहीं: इमोजी भेजने की प्रवृत्ति सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रही, अब लोग आधिकारिक ईमेल, विभागीय संदेश या वरिष्ठों को भेजे जाने वाले संवादों में भी इमोजी का प्रयोग करने लगे हैं। यह न केवल संवाद की गंभीरता को कम करता है, बल्कि कई बार यह आपकी अनुशासनहीनता या असंवेदनशीलता का संकेत भी माना जा सकता है। इसलिए ऐसा करने से बचना चाहिए। इमोजी का प्रयोग मित्रता, निजी वार्तालाप में उपयुक्त है, लेकिन इसकी सीमाएं स्पष्ट होनी चाहिए। डिजिटल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ विवेक भी आवश्यक है।

कुछ कॉमन इमोजी

- ❤️ स्नेह, मित्रता, सहानुभूति, प्रेरणा।
- 😂 हंसी मजाक, मीम, हल्के-फुल्के निजी संवाद।
- 😢 संवेदना, शोक व्यक्त करने के लिए।
- 🙏 धन्यवाद, सम्मान, श्रद्धांजलि, प्रार्थना।
- 🔥 प्रेरक कार्य, जोश, उपलब्धि की सराहना।
- 👏 किसी की उपलब्धि, प्रेरक विचार का समर्थन।
- 😍 रोमांटिक या सौंदर्य-प्रशंसा से जुड़े।
- 🤔 तर्क, प्रश्न, विचार-उत्तेजक विषय।

डिजिटल एटिकेट का रखें ध्यान: किसी भी इमोजी को सेलेक्ट करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखें।

- सोच-समझकर इमोजी का चयन करें।
- कार्यालय या वरिष्ठों के साथ संवाद में औपचारिक भाषा अपनाएं।
- गंभीर विषयों पर केवल इमोजी के बजाय मौलिक प्रतिक्रिया दें।
- यदि इमोजी भेजना हो तो विषय के अनुकूल ही सेलेक्ट करें। प्रतीकों का प्रयोग प्रासंगिकता के साथ होना चाहिए, न कि केवल आदत या सुविधा के कारण। *

सिने-जगत / अशोक जोशी

हाल में ही एक्ट्रेस-मॉडल शेफाली जरीवाला की अचानक हुई डेथ ने सबको चौंका दिया। लेकिन शेफाली से पहले भी हिंदी सिनेमा और छोटे पर्दे के कई एक्टर-एक्ट्रेसेस बहुत कम उम्र में ही दुनिया को अलविदा कह गए हैं। ऐसे ही कुछ कलाकारों पर एक नजर, जो युवावस्था में ही इस जहान से रुखसत हो गए।

सितारे जिन्होंने कम उम्र में ही दुनिया को कह दिया अलविदा

हम जो पर्दे पर देखते हैं, वो सितारों की रील लाइफ होती है। जो जिंदगी वह वास्तव में जीते हैं, वह उनकी रियल लाइफ होती है। पर्दे पर हमें जीवंत, सुखी, स्वस्थ और ढाई घंटे में बरसों लंबी जिंदगी के दर्शन करा देने वाले कुछ सितारे ऐसे भी हैं, जिनकी जिंदगी किसी शॉर्ट फिल्म जितनी ही छोटी रही।

कम उम्र में गुजरे बीते दौर के सितारे: पिछली सदी में पचास का दशक हिंदी फिल्मों का आरंभिक दौर था। उस दौर में अभिनेता श्याम एक जाने माने सितारे थे, जिनकी एक फिल्म की शूटिंग के दौरान घोड़े से गिरने से मौत हो गई थी। जिस समय यह हादसा हुआ, उनकी उम्र केवल 31 बरस ही थी। के.एल. सहगल हिंदी फिल्म के मशहूर गायक और अभिनेता थे। लेकिन शराब की लत के कारण उन्हें लीवर सिरोसिस हो गया था। मात्र साढ़े बयालिस साल की उम्र में सहगल इस दुनिया से विदा हो गए।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को 'प्यासा', 'कागज के फूल', 'साहेब बीवी और गुलाम' जैसी क्लासिक फिल्में देने वाले गुरुदत्त महज 39 वर्ष की उम्र में दुनिया छोड़ गए थे। गुरुदत्त को इन्सोम्निया (स्लीप डिसऑर्डर) की बीमारी थी। कहा जाता है कि शराब के अत्यधिक सेवन और नींद की गोली के ओवरडोज के कारण उनकी मृत्यु हो गई थी।

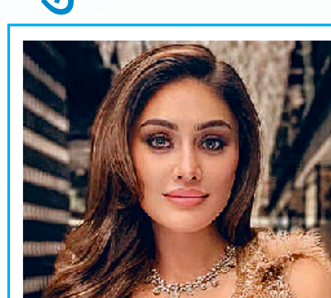

शेफाली जरीवाला

सुशांत सिंह राजपूत

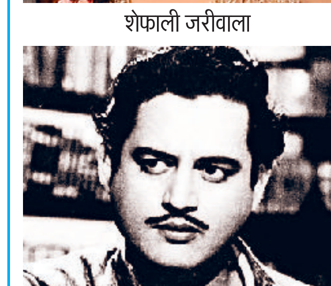

गुरु दत्त

मीना कुमारी

हाल में गुजर गए युवा सितारे: बीते कुछ दशकों की बात करें तो फिल्म और टेलीविजन के कई प्रसिद्ध कलाकार बेहद कम उम्र में ही जिंदगी की जंग हार गए। सुशांत सिंह राजपूत ने सिर्फ 34 साल की उम्र में कथित आत्महत्या कर ली। हालांकि सुशांत की मौत की वजहों को लेकर आज भी कई तरह की अटकलें लगाई जाती हैं। बिग बॉस 13 के विनर और टीवी के मशहूर अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला की हार्ट अटैक के कारण हुई अचानक मृत्यु ने सभी को स्तब्ध कर दिया था। सिद्धार्थ सिर्फ 40 साल की उम्र में इस दुनिया से रुखसत हो गए। अभिनेता इंदर कुमार महज 44 साल की उम्र में दुनिया छोड़ कर चले गए। उनके निधन की भी वजह हार्ट अटैक को ही माना गया था। हालांकि अपने निधन से कुछ साल पहले इंदर कुमार एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हेलिकॉप्टर से जमीन पर गिर गए थे और तभी से उनको कई परेशानियां शुरू हो गई थीं।

कई अभिनेत्रियां भी गुजर गईं कम उम्र में: हिंदी सिनेमा की वीनस कही जाने वाली मोहक व्यक्तित्व की मलिका मधुबाला की मुस्कान आज भी दर्शकों के मस्तिष्क पर छाई हुई है। फिल्मी करियर के साथ ही उनका जीवन भी छोटा ही रहा। उन्होंने 36 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनकी मृत्यु का कारण दिल की बीमारी बताया जाता है। इसी तरह ट्रेजडी क्वीन मीना कुमारी की रियल लाइफ भी किसी ट्रेजडी से कम नहीं थी। पारिवारिक विवाद और दुःख से परेशान मीना कुमारी ने शराब से नाता जोड़ लिया था। अपने गम में डूबी मीना कुमारी 38 वर्ष की उम्र में इस दुनिया से कूच कर गईं। अपने जमाने की सफलतम नायिकाओं में से एक गीताबाली भी चेचक की बीमारी के कारण मात्र 34 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गईं। प्रतिभाशाली अभिनेत्री स्मिता पाटिल जब सिनेमा में आईं तो लगा था कि मीना कुमारी की खाली जगह भर जाएगी। अपने छोटे से फिल्मी जीवन में स्मिता पाटिल ने न केवल समानांतर फिल्मों में अपनी जगह बनाई बल्कि अमिताभ बच्चन के साथ 'नमक हलाल' जैसी सुपरहिट कॉमर्शियल फिल्म की सफलता में बराबर का योगदान दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश डिलीवरी के दौरान पीलिया से पीड़ित होकर वह मात्र 29 साल की उम्र में स्वर्ग सिधार गईं। बाद के दौर की बात करें तो उभरती नायिका दिव्या भारती को भी बेहद कम उम्र में मौत ने अपनी आगोश में ले लिया था। सफलता के सिंहासन पर बैठी यह नायिका मात्र 19 साल की उम्र में एक हादसे का शिकार हो चल बसीं।

स्मिता पाटिल

प्रत्युषा बनर्जी

हाल में दिवंगत हुई एक्ट्रेसेस: बॉलीवुड की कुछ फिल्मों में नजर आईं एक्ट्रेस जिया खान भी 25 की उम्र में दुनिया को छोड़ गईं। जिया ने खुदकुशी कर ली थी। धारावाहिक 'बालिका वधु' से अपनी पहचान बनाने वालीं प्रत्युषा बनर्जी ने भी जिंदगी से हार मान कर मौत को गले लगा लिया। प्रत्युषा ने महज 24 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली थी। ऐसे ही कई सफल एवं उभरती हुई अभिनेत्रियों की मृत्यु बेहद कम उम्र में हुई। अगर एकदम हाल की घटना का जिक्र करें, तो 'कांटा लगा गर्ल' के नाम से मशहूर मॉडल-एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला हाल ही में 42 वर्ष की उम्र में अचानक दुनिया को अलविदा कह गईं। *